देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक – 315 । नर्मदापुरम, रविवार 15 फरवरी 2026 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

तीरंदाजी की नेशनल प्लेयर कीर्ति ने 'मामा' शिवराज से मांगी मदद, बोलीं- गुमनामी में खो न जाएं हम — पृष्ठ 2

संघ-समर्थित बौद्धिक दावों की सीमाएँ
'तेरे ख़त आज मैं गंगा में बहा आया हूँ' — पृष्ठ 4

आस्था का केंद्र गुप्तेश्वर: प्रकृति खुद करती महादेव का श्रृंगार — पृष्ठ 7

बुरहानपुर में बनेगा मिनी एयरपोर्ट, शाहपुर को बनाएंगे नगर पालिका — पृष्ठ 8

सार-समाचार

म्यूनिख में जी7 के विदेश मंत्रियों से मिले एस जयशंकर

म्यूनिख, एजेंसी। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी7 समूह के अपने समकक्षों संग अहम बैठक की। यहां उन्होंने भारत के यूएनएससी को सहयोग समेत साझा हितों पर बात की। उन्होंने एक्स कुछ तस्वीरों के साथ पोस्ट लिख इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, म्यूनिख में जी7 के विदेश मंत्रियों से बात करके खुशी हुई। एजेंडे में यूएनएट80 था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए भारत के पूर्ण सहयोग की बात मैंने दोहराई।

माकपा की एसआईआर पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने चुनाव आयोग से मतदाता सूची के विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को मनमाना और भेदभावपूर्ण करार देते हुए इसे तत्काल रद्द करने की मांग है। माकपा महासचिव एम ए बेबी ने चुनाव आयोग को सौंपे एक ज्ञापन में एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा है कि उसकी इस मनमानी से सब कुछ अस्त-व्यस्त हो गया है और बड़े स्तर पर लोगों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

भारत की कठपुतलियों पर आठ स्मारक डाक टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। डाक विभाग ने 'भारत की कठपुतलियां' विषय पर शुक्रवार को आठ स्मारक डाक टिकटों का एक सेट जारी किया है। डाक विभाग ने शनिवार को बताया कि विभाग की सचिव वंदिता कौल ने समारोहपूर्वक इन टिकटों को जारी किया और कहा कि डाक टिकट हमारे राष्ट्र की विरासत के लघु दूत हैं। भारत की समृद्ध और विविध कठपुतली परंपराओं की विशेषता को दर्शाने वाले इस विशेष अंक के माध्यम से हम उन अमर कहानीकारों को सम्मानित करते हैं जिन्होंने पीढ़ियों से हमारी लोककथाओं, मूल्यों और सामूहिक स्मृति को संरक्षित रखा है।

लक्षद्वीप में मतदाताओं की कुल संख्या 57,607 हुई

कोच्चि, एजेंसी। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के निर्देशों के तहत विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप की वर्ष 2026 की अंतिम फोटो निर्वाचक नामावली प्रकाशित कर दी गई है। यह घोषणा कवरत्ती स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने की। 1 जनवरी 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए यह विशेष पुनरीक्षण अभियान 16 दिसंबर 2025 से 14 फरवरी 2026 तक चलाया गया। पुनरीक्षण अवधि के दौरान प्राप्त दावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद शनिवार, 14 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची जारी की गई।

अंतरराष्ट्रीय सीमा से करोड़ों रुपए की हेरोइन बरामद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त अभियान में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट करोड़ों रुपए की हेरोइन बरामद की है। यह नशीला पदार्थ जम्मू के रणबीर सिंह पुरा (आरएस पुरा) सेक्टर में ड्रोन के माध्यम से गिराए जाने की आशंका है। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए जम्मू पुलिस और बीएसएफ ने जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लगभग 40 करोड़ रुपए मूल्य की बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि यह खेप ड्रोन के जरिए गिराई गई थी।

शिवकुमार से कार्ति चिदंबरम ने की मुलाकात

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम ने उनके आवास पर मुलाकात की। शिवकुमार ने इस बैठक को 'सार्थक' बताया और कहा कि इसमें पार्टी की सामूहिक रणनीति को मजबूत करने पर चर्चा हुई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए अपने संदेश में शिवकुमार ने कहा कि आज मेरे आवास पर सांसद कार्ति पी. चिदंबरम से मुलाकात कर खुशी हुई। वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम और पार्टी के सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाने पर हमारी सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने पंधाना से सवा करोड़ लाड़ली बहनों को भेजी राशि, बोले-

स्व सहायता समूह की 62 लाख बहनें हुईं आत्मनिर्भर

- खंडवा को मिली 301 करोड़ लागत से निर्मित भाम सिंचाई परियोजना की सौगात

खंडवा/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनें मध्यप्रदेश की लक्ष्मी हैं, अन्नपूर्णा हैं, उनके लिए जितना करें, उतना कम है। बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। प्रदेश में संचालित 5 लाख स्व-सहायता समूह के माध्यम से अब तक 62 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना में लाड़ली बहनों को योजना की 33वीं किस्त की सौगात देने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति नारी प्रधान है। राज्य सरकार कपास आधारित उद्योग में काम करेंगी तो उन्हें 5 हजार रुपए महीना अलग से दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों को प्रशिक्षण मिले, उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए और मेहनत की सही कीमत मिले। बहनें एक बगिया मां के नाम योजना और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं। हमारी बहनें लखपति दीदी के साथ अब ड्रोन दीदी भी बन रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपए अंतरित किए। इस अवसर पर उन्होंने खंडवा जिले में 301 करोड़ लागत की निर्मित भाम सिंचाई परियोजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रयोगशाला और पंधाना के नवीन शासकीय सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना में प्रदेश की 25 लाख बहनों को 111 करोड़ की राशि भी निरंतर भेजी जा रही है। कार्यक्रम को खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक छाया गोविंद मोरे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, विधायक नारायण पटेल, विधायक कंचन तन्वे, खंडवा महापौर अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यादित्य शाह, राजपाल तोमर, इन्दौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक खण्डवा मनोज कुमार राय उपस्थित थे।

खेती में महिलाओं की भागीदारी से सशक्त होगी अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को भावांतर योजना का लाभ मिला है। गेहूं का समर्थन मूल्य भी 2700 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के लिए फिर से सर्वे कराया जा रहा है, जिससे वंचित पात्र हितग्राहियों को भी पक्के मकान मिल पाएं। राज्य सरकार गांव-गांव तक नल जल योजना से शुद्ध पेय जल उपलब्ध करवा रही है।

प्रेमी-प्रेमिका के शव कार में मिले

- दोनों 13 फरवरी से घर से लापता थे

नोएडा, देशबन्धु। नोएडा में वैलेंटाइन-डे के दिन प्रेमी प्रेमिका की कार लाश मिली। दोनों के शव कार के अंदर फ्रंट सीट पर थे। सुबह साफ-सफाई करने आए लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने टाटा अल्ट्रोज कार का शीशा तोड़कर देखा, तो आगे की सीट पर दोनों के शव पड़े थे। दोनों के सिर में गोली लगी थी। युवक के हाथ में पिस्टल थी। बगल में दो खोखे पड़े थे। प्रेमी-प्रेमिका 13 फरवरी से घर से लापता थे। 26 साल की प्रेमिका रेखा नोएडा के सलारपुर की रहने वाली थी, जबकि प्रेमी सुमित (32) दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला था। वह मंडल स्तर का क्रिकेटर था। बताया जा रहा है कि दोनों का 15 साल से अफेयर चल रहा था। शादी करने वाले थे, लेकिन किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। इसके बाद 13 फरवरी को सुमित ने रेखा को मैसेज भेजा- मैं मरने जा रहा हूं। इसकी जिम्मेदार रेखा है। वह मेरे साथ 15 साल रही। वादा किया था कि मुझसे शादी करेगी, लेकिन अब वह किसी और से शादी करने जा रही। मुझे रेखा ने धोखा दिया है। इसलिए मैं सुसाइड कर रहा हूं। इसके बाद वह कार लेकर घर से लापता हो गया। लड़की भी घर से गायब हो गई। लड़की उसके घरवालों ने शुक्रवार को नोएडा के सेक्टर-58 थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

लड़की पक्ष का आरोप कर रहा था परेशान

वहीं लड़की पक्ष के परिजनों ने आरोप लगाया कि रेखा सुमित से प्रेम नहीं करती थी। करीब छह से सात महीने पहले रेखा के कहने पर परिजनों ने सुमित को समझाया। इसके बाद उसने एक लिखित में माफी नामा भी दिया। साथ ही उसकी कई चेट भी सामने आई। परिजनों का आरोप है कि सुमित रेखा को जबरन साथ ले गया। इसके बाद उसने रेखा की हत्या की।

केन्द्रीय केबिनेट : एक लाख करोड़ के शहरी कोष को मंजूरी

- उच्च गुणवत्ता वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर को मिलेगा बढ़ावा
- 25 फीसदी हिस्सा सहायता के रूप में दिया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) को मंजूरी दे दी है। इसके तहत शहरों में उच्च गुणवत्ता वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए कुल एक लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता (सीए) दी जाएगी।

बैठक के बाद मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि शहरी चुनौती कोष उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बाजार वित्त, निजी भागीदारी और नागरिक-केंद्रित सुधारों का लाभ उठाएगा। इस कोष का उद्देश्य लचीले, उत्पादक, समावेशी और जलवायु-अनुकूल शहरों का निर्माण करना है ताकि शहर देश के आर्थिक विकास के अगले चरण के प्रमुख चालक बन सके। उन्होंने बताया कि इसके तहत शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना की लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा केंद्रीय सहायता के रूप में दिया जाएगा, बशर्ते परियोजना लागत का न्यूनतम 50 प्रतिशत हिस्सा बाजार से जुटाया जाए।

ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे बनेगी सुरंग

असम में ब्रह्मपुत्र नदी से नीचे दो ट्यूब वाली सुरंग बनेगी जिसके एक ट्यूब से सड़क और दूसरी से रेलवे लाइन गुजरेगी। यह सुरंग असम में राष्ट्रीय राजमार्ग 715 पर नुमालीगढ़ और राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर गोहपुर को जोड़ेगी। परियोजना की कुल लंबाई 33.77 किमी और ट्वीन ट्यूब सुरंग की लंबाई 15.79 किमी होगी।

4 लाख करोड़ का निवेश होगा

इससे अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल चार लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा, जो अनुदान आधारित वित्तपोषण से हटकर बाजार से जुड़े, सुधार-उन्मुख और परिणाम-उन्मुख इन्फ्रास्ट्रक्चर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

स्टार्टअप इंडिया फंड 2.0 को भी हरी झंडी

सरकार ने देश में बढ़ते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए 10 हजार करोड़ रु. के स्टार्टअप इंडिया फंड 2.0 को मंजूरी प्रदान की है। इसका उद्देश्य स्टार्टअप इकाइयों के लिए उद्यम पूंजी कोष को अधिक सुलभ बनाना है। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना भारत के स्टार्टअप सफर के अगले चरण को तेज़ करने के लिए तैयार की गई है। वर्ष 2016 में शुरू की गयी स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत शुरू किए गए इस कोष के बारे में सरकार ने कहा है , ' इस कोष के गठन का उद्देश्य दीर्घकालिक घरेलू पूंजी को आकर्षित करना, वेंचर कैपिटल इकोसिस्टम को मजबूत बनाना और देशभर में नवाचार-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना है।'

मतदाता सूची संशोधन के नाम पर बुलाकर हत्या

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छत्तीस वर्षीय युवक की कथित तौर पर हत्या कर उसका शव के टुकड़े करके नहर में फेंक दिया गया। आरोप है कि उसे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दस्तावेज जमा करने के बहाने बुलाया गया था। पुलिस के अनुसार, इस मामले में एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह वारदात शुक्रवार रात बदुरिया इलाके में हुई। लगातार पूछताछ और तलाशी अभियान के बाद पुलिस ने शुक्रवार रात नहर से मृतक के शरीर के टुकड़े बरामद किये। उसका सिर हालांकि अब तक नहीं मिला है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय नासिर अली के रूप में हुई है, जो बदुरिया क्षेत्र के पापिला गांव का निवासी था। बीएलओ रिजवान हसन मंडल उर्फ मोंटू को गिरफ्तार किया गया है, जो पापिला के बूथ नंबर 22 से जुड़ा था। दूसरे आरोपी सागर गाइन को भी हिरासत में लिया गया है। नासिर नौ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

वकील की अदालत जाते समय गोली मारकर की हत्या

सुनसान इलाके में शव मिलने से आक्रोश

शिवपुरी, देशबन्धु। अदालत जा रहे एक वकील पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई और मौके से भाग गए। हमलावरों की गोली लगने से घायल वकील की मौत हो गई। परिजनों ने जमीन विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताई है। पुलिस अपराध कायम कर हत्यारों की तलाश में जुट गई है। घटना को लेकर वकीलों सहित पूरे नगर में आक्रोश है। जानकारी के मुताबिक मृतक वकील घिरियाली मोहल्ला पुराना बाजार इलाके के रहने वाले संजय कुमार सक्सेना शिवपुरी जिले की करेरा तहसील में सिविल मामलों के जाने-माने वकील थे। श्री सक्सेना आज सुबह शिवपुरी जिले के करैरा थाना क्षेत्र से होते हुए हर रोज की तरह अदालत जा रहे थे। इसी दौरान पहले से रास्ते में घात लगाए बैठे अज्ञात बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरु कर दी और इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हमलावरों ने इस वारदात को करेरा इलाके के किले के पीछे स्थित आनंद सागर मंदिर के पास सुनसान सिद्धन रोड पर अंजाम दिया। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि वकील की हत्या करने वाले बदमाश किसी वाहन से आए थे अथवा पैदल उन्हें गोली मारकर भाग गए।

वारदात के कुछ देर बाद उसी सड़क से गुजर रहे एक अन्य वकील की नजर सड़क पर गिरे संजय सक्सेना पर पड़ी। उन्होंने तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से संजय को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। मृतक वकील संजय घिरियाली मोहल्ला पुराना बाजार इलाके के रहने वाले थे। परिजनों ने पुलिस को बताया है कि संजय सक्सेना का कुछ लोगों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते 4 लोगों पर हत्या का शक जताया है। फिलहाल, इस मामले में सीसीटीवी फुटैज खंगाल रही है और मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के आधार पर हत्यारों की गिरफ्तारी के प्रयास में है।

महाकाल दर्शन के बाद खाटू श्याम जाते समय हादसा

जबलपुर के 5 श्रद्धालुओं की सड़क दुर्घटना में मौत

जबलपुर/जयपुर, देशबन्धु। शहर के पांच श्रद्धालुओं की खाटू श्याम के दर्शन के लिये जाते समय कार दुर्घटना में मौत हो गई। कोटा-जयपुर नेशनल हाइवे 52 के चाकसू क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ये हादसा घटित हुआ। बताया जा रहा है कि कार चालक को झपकी लगी और कार एक ट्रक में जा घुसी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गये और उसमें बैठे पांचों लोग फंस गये। घटना के बाद हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई। राहगीरों ने तत्काल चाकसू पुलिस थाने में सूचना दी। मौके पर पुलिस ने मोर्चा संभालते हुये तुरंत एम्बुलेंस बुलाई और कार में फंसे लोगों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहीं क्रेन से दुर्घटना ग्रस्त कार को हटवाया। चाकसू थाना प्रभारी मनोहर लाल मेघवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण कार ट्रेलर में जा टकराई। टक्कर के बाद मौके पर ही महिला सहित चार लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि एक युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया जांच में मृतक मध्यप्रदेश के जबलपुर निवासी हैं। जिसमें रेशमा श्रीवास्तव 55, पीयूष राय, राहुल रजक, ड्राइवर अनुराग 25 और शानू शामिल हैं। राहुल रजक खेरमाई मंदिर क्षेत्र का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार सभी श्रद्धालु 12 फरवरी को उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर महादेव के दर्शन के लिए निकले थे। 13 फरवरी को दर्शन के बाद वे खाटूश्यामजी (सीकर) के दर्शन के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान जयपुर के चाकसू इलाके में यह दर्दनाक हादसा हो गया। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

टी-20 विश्व कप: भारत-पाकिस्तान में हाई-वोल्टेज मुकाबला आज

कोलंबो, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच आर प्रेमदासा स्टेडियम में रविवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का हाई-वोल्टेज मैच खेला जाना है। फैंस मुकाबले को लेकर बेहद उत्साहित हैं, लेकिन बारिश परेशानी का सबब बनी हुई है। रविवार को इस हाई-इंटेंसिटी मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम के पूर्वानुमान के मुताबिक रविवार को कोलंबो में बारिश की 76 प्रतिशत आशंका है। शाम के समय आसमान पर 100 प्रतिशत बादल छाए रहने पर यह आशंका घटकर 13 प्रतिशत रह जाएगी। टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कुल 8 मैच खेले गए हैं, जिसमें मेन इन ब्लू का पलड़ा भारी रहा है। टीम इंडिया ने 7 मुकाबले अपने नाम किए हैं, जबकि पाकिस्तान को साल 2021 में इकलौती जीत मिली थी। भारत ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में साल 2009 से अब तक 15 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 11 जीते और सिर्फ 4 मुकाबलों में हार मिली।

व्यापार समझौते पर राहुल ने सरकार को फिर घेरा, कहा-

झूठ बोलने में माहिर है मोदी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर मोदी सरकार कपास उत्पादक किसान और कपड़ा निर्यातक दोनों को गहरा झटका दिया है। श्री गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, '18 प्रतिशत टैरिफ बनाम जीरो प्रतिशत-आइए समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस पर भ्रम फैला रहे हैं और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बंगलादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर शून्य प्रतिशत टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है - शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बंगलादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया -'अगर यही फायदा हमें भी चाहिए तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।' आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई। और, ये कैसी नीति है। क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है - या फिर 'आगे कुआं, पीछे खाई' की हालत में फंसाने वाला जाल।' कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा और अब बंगलादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है। करोड़ों लोगों की रोज़ी-रोटी इन्हीं पर टिकी है। इन क्षेत्रों पर चोट का मतलब है लाखों परिवारों को बेरोज़गारी और आर्थिक संकट की खाई में धकेल देना। उन्होंने कहा, 'एक दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली सरकार ऐसा सौदा करती जो कपास किसानों और कपड़ा एक्सपोर्टर्स -दोनों के हितों की रक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती, लेकिन इसके ठीक उलट, नरेंद्र 'सरेंडर' मोदी और उनके मंत्रियों ने ऐसा समझौता किया है जो दोनों क्षेत्रों को गहरी चोट पहुंचाने वाला साबित हो सकता है।'

प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र पर बने पुल का किया उद्घाटन

गुवाहाटी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। यह आधुनिक पुल गुवाहाटी को नॉर्थ गुवाहाटी से जोड़ता है और क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति देता है। करीब 2.86 किलोमीटर लंबा यह 6-लेन एक्स्ट्राडोज्ड प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) पुल लगभग 3,030 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ है। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है। इसके चालू होने से गुवाहाटी और उत्तर-गुवाहाटी के बीच यात्रा समय घटकर मात्र 7 मिनट रह जाएगा।

भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए पुल में बेस आइसोलेशन तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसमें फ्रिक्शन पेंडुलम बेयरिंग्स लगाए गए हैं। पुल की मजबूती और दीर्घकालिक प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए हाई-परफॉर्मेंस स्टे केबल्स लगाए गए हैं। साथ ही ब्रिज हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम (बीएचएमएस) भी लगाया गया है, जो रियल-टाइम निगरानी, शुरुआती क्षति पहचान और सुरक्षा में सुधार सुनिश्चित करेगा। इससे पहले प्रधानमंत्री ने डिब्रूगढ़ जिले के मोरान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) का भी उद्घाटन किया। यह पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी तरह की पहली सुविधा है। उद्घाटन के बाद भारतीय वायु सेना ने भव्य एयर शो प्रस्तुत किया, जिसमें राफेल, सुखोई और मिग लड़ाकू विमान शामिल रहे। इन विमानों ने सफलतापूर्वक हाईवे स्ट्रिप पर उड़ान भरी और लैंडिंग की। अपर असम में स्थित यह सुविधा पूर्वोत्तर में भारत की सैन्य क्षमता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम मानी जा रही है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

4 दिन से लापता युवक का शव कुएं में मिला, पुलिस कर रही जांच

चिचोली, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोडूँमंडाई में मंगलवार से लापता युवक का शव शनिवार को खेत के कुएं में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अंसुल पिता शिव कुमार,उईके उम्र लगभग 18 वर्ष, बीते मंगलवार से लापता था। परिजनों द्वारा तलाश की जा रही थी। शनिवार को गांव के खेत स्थित एक कुएं में शव दिखाई देने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से युवक के शव को कुएं से बाहर निकलवाकर आवश्यक पंचनामा कार्रवाई की तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम की कार्रवाई रविवार को की जाएगी। फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

नवांकुर संस्था दीवारों में लिखे संदेश कर रहे जन जन को जागरूक

आमला, देशबन्धु। जिले में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आमला के अंतर्गत नवांकुर संस्था तरुण शक्ति समिति आमला के द्वारा मोरखा और कूजबा में दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामों में जन जागरूकता का कार्य जल संरक्षण,नशा मुक्ति, वृक्षारोपण अभियान का कार्य किया जा रहा है मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद बैतूल जिला समन्वयक श्रीमति प्रिया चौधरी और आमला ब्लॉक समन्वयक अरविंद माथनकर के निर्देशन में ग्राम विकाश प्रस्फुटन समिति के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, और वृक्षारोपण के महत्व में से जुड़े दीवार लेखन ग्रामों के माध्यम तक संदेश का प्रचार कर रहे हैं जिसमें सभी ग्राम विकाश प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्था के सदस्य और परामर्शदाता पूजा साहू अपने प्रयोगशाला ग्राम में जाकर दीवार लेखन और नशा मुक्ति शपथ दिलाई इसके सरकार की योजना के बारे में गांव-गांव जाकर महत्वपूर्ण जानकारी दे रहे समिति के सदस्य बैठक के माध्यम से जल संरक्षण और जल को बचाने का संदेश दे रहे हैं ।

बरात लेकर आज नगर भ्रमण पर निकलेंगे बाबा महाकाल सरकार

बैतूल, देशबन्धु। शिवरात्रि के अवसर पर आज देवाधिदेव बाबा महाकाल सरकार भव्य शिव बारात के रूप में नगर भ्रमण पर निकलेंगे। श्री शंभू भोले सेवा उत्सव समिति के नेतृत्व में आयोजित यह शोभायात्रा थाना महाकाल चौक से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी। आयोजन लगातार सातवें वर्ष किया जा रहा है और इसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। बारात में शिव विवाह की झलक प्रस्तुत करती आकर्षक झांकियां शामिल होंगी। अमरावती का रुद्रावतार ढोल-ताशा पथक, जय सेवा डंडार मण्डल मरकडाना, उज्जैन की ख्याति प्राप्त झांझ-डमरू टीम अपनी प्रस्तुति से शिव नाम की गूंज को और प्रखर करेगी। चलित लड्डू गोपाल विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

तीरंदाजी की नेशनल प्लेयर कीर्ति ने 'मामा' शिवराज से मांगी मदद, बोलीं- गुमनामी में खो न जाएं हम

इटारसी, देशबन्धु। खेल के मैदान में लक्ष्य पर सटीक निशाना साधने वाली एक बेटी आज अपनी जिंदगी और करियर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही है। यह कहानी है नर्मदापुरम के डोलरिया तहसील स्थित ग्राम भीलाखेड़ी की कुमारी कीर्ति यादव की, जिसने मुफलिसी और अभावों के बीच धनुष उठाकर राष्ट्रीय स्तर तक तिरंगे का मान बढ़ाया है। लेकिन अब उसके हौसलों के आगे गरीबी की दीवार ऊंची होती जा रही है।

बिना आधुनिक धनुष के जीत रही है जंग : *कीर्ति के पिता दीनदयाल यादव एक अति आर्थिक कमजोर परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार बेटी को संसाधन दिलाए, लेकिन तीरंदाजी जैसे महंगे खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर के उपकरण लाखों के आते हैं। परिवार पर बुजुर्ग दादी और दो छोटे भाई-बहनों की भी जिम्मेदारी है, जिसके चलते पिता अब आधुनिक और महंगे उपकरण दिलाने में असमर्थ हैं।*

कीर्ति का पत्र बयां करता है दर्द : *आधुनिक संसाधनों की कमी के कारण मैं अपनी प्रतियोगिता में कौशल क्षमता के अनुसार पूरी दक्षता का प्रदर्शन नहीं कर पा रही हूं।*

उपलब्धियों का तरकश है पदकों से भरा : *बिना आधुनिक सुविधाओं के भी कीर्ति ने जो कर दिखाया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। उनके शानदार प्रदर्शन की लिस्ट लंबी है।*

गोल्ड मेडल : *खेलो एमपी यूथ गेम्स (जबलपुर) में मिक्स्ड टीम इवेंट में स्वर्ण*

ब्रोंज मेडल : *ऑल इंडिया इंटर साई टूर्नामेंट कोलकाता में कांस्य पदक*

नेशनल रैंकिंग : *जयपुर में आयोजित विमेन ह्न्रञ्ज में दूसरा और भोपाल में तीसरा स्थान*

सिल्वर मेडल : *जूनियर स्टेट जबलपुर और स्कूल स्टेट इटारसी में दूसरा स्थान प्राप्त किया*

राष्ट्रीय सहभागिता : रांची झारखंड में आयोजित 69वें स्कूल नेशनल और अरुणाचल प्रदेश में सब-जूनियर नेशनल में हिस्सा लिया

उम्मीद की आखिरी किरण मामा शिवराज : *प्रशासनिक और प्रदेश स्तर पर कोई ठोस मदद न मिलने के बाद, अब कीर्ति ने देश के केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है।*

कीर्ति को उम्मीद है कि बेटियों की परवाह करने वाले मामाजी उसकी आवाज सुनेंगे और उसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने में मदद करेंगे।

क्या सिस्टम सुनेगा गुहार : *एक तरफ सरकार बेटियों को आगे बढ़ाने का दावा करती है, वहीं कीर्ति जैसी नेशनल प्लेयर आज संसाधनों के लिए गुहार लगा रही है। क्या इस प्रतिभावान खिलाड़ी को समय पर सहायता मिलेगी, या एक और प्रतिभा गुमनामी के अंधेरे में खो जाएगी।*

अवैध रेत परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, कलेक्टर के निर्देश पर 7 डंपर जब्त

इटारसी, देशबन्धु। जिला कलेक्टर के निर्देशन में प्रशासन ने अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार देर रात रेत का अवैध परिवहन कर रहे 7 डंपरों को पकड़ा है। यह कार्रवाई इटारसी तहसील के विभिन्न क्षेत्रों में की गई, जहां सभी वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक/ओवरलोड पाए गए।

विभागीय कार्रवाई का विवरण : अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नीलेश शर्मा ने बताया कि प्रशासनिक टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर कुल सात वाहनों को अभिरक्षा में लिया है। पकड़े गए वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से दो अलग-अलग स्थानों पर खड़ा कराया गया है।

इटारसी क्षेत्र 05 डंपर: तहसील क्षेत्र से पकड़े गए 5 डंपरों को इटारसी मंडी प्रांगण में खड़ा किया गया है। इन वाहनों के नंबर क्रमशः आरजे 09 जीई 2297, एमपी 12 एच 4646, एमपी 47 एच 7707, एमपी 12 एचजेडएफ 6774 एवं एमपी 47 जेडसी 5783 हैं।

रामपुर गुर्रा थाना क्षेत्र 02 डंपर : यहां से जब्त किए गए 2 डंपरों एमपी 09 बीजी 0542 और आरजे 09 जीई 6453) को रामपुर गुर्रा थाना पुलिस की अभिरक्षा में भेजा गया है।

ओवरलोडिंग और अवैध परिवहन पर शिकंजा : जांच के दौरान पाया गया कि सभी सातों डंपर ओवरलोड थे और रेत का परिवहन कर रहे थे। कलेक्टर के स्पष्ट निर्देश हैं कि जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनिज विभाग अब इन वाहन स्वामियों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित कर रहा है। टीम में तहसीलदार सुनीता साहनी, जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, आरआई और पटवारी मौजूद रहे।

रात में असुरक्षित मिलीं तीन बालिकाओं को पुलिस ने पहुंचाया घर, एसपी ने किया सम्मानित

इटारसी, देशबन्धु। पुलिस प्रशासन में उत्कृष्ट सेवा और मानवीय दृष्टिकोण की एक नई मिसाल पेश करते हुए एफआरवी-8 की टीम को सम्मानित किया है। रात्रि गश्त के दौरान तत्परता दिखाते हुए तीन बालिकाओं को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले चालक नीलेश पठारिया और हेड कॉन्स्टेबल संतोष मालवीय के कार्य की सराहना हो रही है।

क्या थी घटना? : विगत दिनों रात्रि गश्त के दौरान एफआरवी-8 की टीम को तीन बालिकाएं सड़क पर असुरक्षित स्थिति में मिली थीं। मामले की संवेदनशीलता और समय की गंभीरता को देखते हुए ड्राइवर नीलेश पठारिया और हेड कॉन्स्टेबल संतोष मालवीय ने बिना विलंब किए बालिकाओं को अपनी सुरक्षा में लिया। टीम ने सूझबूझ का परिचय देते हुए उन्हें उनके परिजनों तक सकुशल पहुंचाया, जिससे एक संभावित अप्रिय घटना टल गई।

एसपी ने थपथपाई पीठ, सौंपा प्रशंसा पत्र : पुलिसकर्मियों की इस सजगता और सेवा भाव का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक साईंकृष्ण एस थोटा ने टीम के लिए विशेष प्रशंसा पत्र जारी किया। आज टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने अपने कार्यालय में ड्राइवर नीलेश पठारिया को यह प्रशंसा पत्र भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस कार्य से पुलिस विभाग के प्रति आम जनता के विश्वास में बढ़ोतरी हुई है। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि पुलिस का असली उद्देश्य केवल अपराध रोकना ही नहीं, बल्कि संकट में फंसे नागरिकों की सहायता करना भी है। नीलेश और संतोष ने इस उत्तरदायित्व को बखूबी निभाया।

ओम नमः शिवाय मंत्र में समाहित है पूरी सृष्टि, पशुपतिनाथ मंदिर में शिव कथा का समापन

इटारसी, देशबन्धु। पशुपतिनाथ मंदिर में आयोजित शिव कथा के समापन दिवस पर देवी रत्नमणि द्विवेदी ने ओम नमः शिवाय मंत्र की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि यह मात्र एक मंत्र नहीं, बल्कि भगवान शिव की अनंत शक्ति और कृपा प्राप्त करने का सबसे सरल मार्ग है।

मंत्र का रहस्य और अर्थ : देवी जी ने कथा के दौरान बताया कि ओम नमः शिवाय का अर्थ है, मैं शिव को नमस्कार करता हूं। यह भक्तों को महादेव के साथ सीधे जोड़ता है। इस मंत्र के रहस्य में ब्रह्मा, विष्णु और महेश (त्रिमूर्ति) की शक्ति समाहित है। इस मंत्र का जाप पापों से मुक्ति, मोक्ष की प्राप्ति, मानसिक शांति और जीवन में सुख-समृद्धि लाता है। श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए उन्होंने कहा कि शांत चित्त होकर, शिव की महिमा पर ध्यान केंद्रित कर कम से कम 108 बार इस मंत्र का जाप करना चाहिए।

कथा के समापन अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप स पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, सेवानिवृत्त डॉ. मेजर पंकज मनी पहाड़िया, डॉ. ऋचा पहाड़िया, नपा उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, योगेन्द्र सिंह राजपूत, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल व शशांक मालवीय, और भाजपा नेत्री ममता मालवीय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

समर्पण दिवस पर भाजपा का आजीवन सहयोग निधि अभियान, कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

इटारसी, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल इटारसी द्वारा अंत्योदय के प्रणेता और प्रखर राष्ट्रवादी विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया। इस पावन अवसर पर पार्टी की मजबूती और संगठन विस्तार हेतु आजीवन सहयोग निधि संग्रह कार्यक्रम का आयोजन किया।

एकात्म मानववाद के सिद्धांतों का स्मरण : कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। उपस्थित वक्ताओं ने उनके एकात्म मानववाद और समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान अंत्योदय के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित जी का जीवन सादगी और राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण का अनुपम उदाहरण है।

संगठन की मजबूती के लिए सहयोग निधि : समर्पण दिवस के अवसर पर नगर मंडल के पदाधिकारियों और निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने अपनी सामर्थ्य अनुसार आजीवन सहयोग निधि एकत्र की।

कार्यकर्ताओं ने व्यक्तिगत रूप से निधि दान कर संगठन के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट की। इस अवसर पर सभी ने मिलकर भारतीय जनता पार्टी को और अधिक सशक्त, सक्रिय और प्रभावी बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम में नगर मंडल के वरिष्ठ नेता, पार्षद और सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार से जब्त की 8 पेटी अवैध शराब, 1.20 लाख का माल जब्त

इटारसी, देशबन्धु। शहर में अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने के लिए आबकारी विभाग ने देर रात एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के सख्त निर्देशों और जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में विभाग ने सिंधी कॉलोनी क्षेत्र से एक चार पहिया वाहन में परिवहन की जा रही अवैध शराब की खेप बरामद की है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी अशोक माहौरे के नेतृत्व में आबकारी टीम ने 12 फरवरी की रात्रि को मुखबिर की सटीक सूचना पर सिंधी कॉलोनी में घेराबंदी की। इस दौरान एक संदिग्ध कार की तलाशी लेने पर उसमें से 08 पेटी देशी मदिरा प्लेन बरामद हुई।

1.20 लाख की जप्ती, अज्ञात पर मामला दर्ज : आबकारी विभाग ने अवैध शराब और परिवहन में प्रयुक्त चार पहिया वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। विभाग ने 08 पेटी अवैध देशी शराब एवं एक कार जब्त की जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 1,20,000 रुपये बतायी जा रही है। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2) के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

इस कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक केके पड़रिया, मुख्य आरक्षक दुर्गाप्रसाद माझी, आरक्षक मदन रघुवंशी, राजेश गौर, दुर्गेश पथरिया, धर्मेन्द्र बारंगे और नगर सैनिक रामावतार यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कुत्ते के काटने का मामला पुलिस थाने में पहुंचा

इटारसी, देशबन्धु। समीपस्थ ग्राम सोंठिया में एक पालतू कुत्ते ने एक ग्रामीण को कोट लिया। ग्रामीण ने कुत्ते की मालकिन के खिलाफ पथरोटा थाना में शिकायत दर्ज करायी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम सोंठिया की सुशीला बाई पति दिलीप सिंह ठाकुर के पालतू कुत्ते ने ग्रामीण देवेश पिता रामा नरवरे 41 वर्ष को काट लिया। इस पर ग्रामीण ने शिकायत दर्ज करायी है।

अड़ी बाजी कर रुपए मांगे, नहीं देने पर चाकू से हमला

इटारसी, देशबन्धु। रैन बसेरा के सामने दो युवकों ने एक युवक से अड़ीबाजी करते हुए शराब पीने के लिए पैसे मांगे, नहीं देने पर उस पर चाकू से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार रैन बसेरा के सामने राहुल भदौरिया और रामू ने कमलेश पिता अमर भैरवा 21 वर्ष, निवासी साईंनाथ बेकरी एरिया से अड़ीबाजी करते हुए शराब पीने के लिए पैसे मांगे। उसने मना कर दिया तो चाकू से हमला कर जान से मारने की धमकी दी है।

सोनतलाई में पति-पत्नी को जान से मारने की धमकी

इटारसी, देशबन्धु। रामपुर थानांतर्गत ग्राम सोनतलाई में एक ग्रामीण ने गांव के ही निवासी पति-पत्नी को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पर मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार रूपसी बाई पति राजकुमार यादव 45 वर्ष ने शिकायत की है कि आरोपी ह्रदेश पिता अशोक यादव 35 वर्ष ने उसे और उसके पति राजकुमार पिता गेंदालाल 50 वर्ष को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकदी है।

पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने पर रास्ता रोककर मारपीट

इटारसी, देशबन्धु। ग्राम रामपुर में एक व्यक्ति ने एक महिला के साथ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने की बात पर से मारपीट की और गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर दोबार मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम रामपुर निवासी बबली पति सुनील अहिरवार ने शिकायत दर्ज करायी है कि विजय पिता गोटूलाल पथोरिया 31 वर्ष निवासी रामपुर ने उसका रास्ता रोककर पूर्व में की गई रिपोर्ट के लिए मां-बहन की गालियां दीं और थप्पड़ मारकर जान से मारने की धमकी दी है। घटना बिजली आफिस के पास मेन रोड की है, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

निर्माणाधीन नाले में गिरा सांड, मची अफरा-तफरी, सुरक्षा गायब

इटारसी, देशबन्धु। शहर के मुख्य बाजार क्षेत्र स्थित तालाब मुख्य मार्ग पर शनिवार शाम करीब 6 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। यहां नगर पालिका द्वारा बनवाए जा रहे एक गहरे निर्माणाधीन नाले में अचानक एक काले रंग का सांड गिर गया। व्यस्त बाजार क्षेत्र होने के कारण घटना के बाद मौके पर राहगीरों और दुकानदारों की भारी भीड़ जमा हो गई।

आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सांड को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत की। शाम का समय होने और रोशनी कम होने के कारण बचाव कार्य में काफी बाधाएं आईं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नपा प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य तो कराया जा रहा है, लेकिन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं।

शहर के कई हिस्सों में खुले पड़े ये नाले अब आम नागरिकों और मवेशियों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। आए दिन जानवर इनमें गिरकर घायल हो रहे हैं। बुद्धिजीवियों ने मांग की है कि निर्माण के साथ-साथ इन स्थानों पर बैरिकेडिंग या अस्थायी ढक्कन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए ताकि भविष्य में किसी जनहानि को रोका जा सके।

नालों के बीच बिछी पाइप लाइन, अधिवक्ता सिद्धार्थ आर्या ने दी पीआईएल की चेतावनी

इटारसी, देशबन्धु। शहर की पेयजल व्यवस्था में बड़ी लापरवाही सामने आई है। सराफा बाजार, सूरज गंज और आजाद नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पीने के पानी की पाइपलाइनें सीधे गंदे नालों के संपर्क में हैं। इस गंभीर मुद्दे पर अधिवक्ता सिद्धार्थ महेश आर्या ने प्रशासन को घेरते हुए इसे साइलेंट हेल्थ इमरजेंसी करार दिया है।

उन्होंने कहा कि पाइपलाइन के नालों में होने से लीकेज की स्थिति में दूषित पानी घरों तक पहुंच रहा है, जिससे टायफाइड और पीलिया जैसी बीमारियों का डर है। अधिवक्ता सिद्धार्थ आर्या ने कहा कि स्वच्छ जल पाना संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत मौलिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद ऐसी लापरवाही अक्षम्य है।

सिद्धार्थ आर्या वेलफेयर फाउंडेशन ने साक्ष्यों के साथ सीएमओ और एसडीएम ज्ञापन सौंपकर तत्काल पाइपलाइन शिफ्ट करने की मांग की है। अधिवक्ता आर्या ने स्पष्ट किया है कि यदि 15 से 30 दिनों में सुधार नहीं हुआ, तो वे नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करेंगे। क्या संसाधनों की कमी तोड़ देगी इस 'लाड़ली' का सपना?

वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'हॉलिस्टिक वेल बीइंग' कैंप आयोजित, 82 बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण

इटारसी, देशबन्धु। *आयुष विभाग के आयुक्त के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में, जिला आयुष अधिकारी डॉ. श्रीराम करोजिया के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु हॉलिस्टिक वेल बीइंग कैंप का आयोजन न्यास कॉलोनी में हुआ।*

भगवान धन्वंतरि के पूजन से शुभारंभ : *कार्यक्रम का शुभारंभ नगर के प्रथम नागरिक एवं नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी क्लब के संचालक नवनीत कोहली उपस्थित रहे। अतिथियों ने भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर शिविर की शुरुआत की।*

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने वृद्धजनों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद, योग, सही दिनचर्या और ऋतुचर्या का पालन अनिवार्य है। विशेषज्ञ आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा वृद्धजनों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क औषधियां प्रदान की गईं।

बीपी एवं शुगर टेस्ट : स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विशेष रूप से 55 वृद्धजनों के रक्तचाप और शुगर की जांच की। 82 नागरिकों ने इस चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया। शिविर के दौरान वृद्धाश्रम के रहवासियों को स्वास्थ्य परामर्श देने के साथ-साथ जीवनशैली में सुधार के टिप्स भी साझा किए गए।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

रामजी बाबा मेले से सोने की चैन और पचमढ़ी में कार में से हुआ बैग चोरी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। शुक्रवार को रामजी बाबा मेला परिसर गेट नं. 2 से अंदर वाली गली में अज्ञात आरोपी द्वारा फरियादी किरण पति वीरेन्द्र कुमार मालवीय उम्र 64 वर्ष निवासी चौधरी कालोनी कोठी बाजार निवासी की 1,50,000/- रुपये की सोने की चेन चोरी कर ली। पचमढ़ी कार पार्किंग में खड़ी कार से बैग और पर्स चोरी प्राप्त जानकारी अज्ञात आरोपी द्वारा अनुसार शुभम पिता रमेश कुमार मिश्रा उम्र 31 साल नि. चंदन गांव भरता देव रोड अमृत स्कूल के पास छिंदवाडा की पार्किंग मे खडी कार का कांच का शीशा तोड कर पर्स व पिट्ठू बैग चुरा लिया, जिसमें सोने की दो अगूंठी सोने का एक मगंलसूत्र, बच्चे का चांदी का करधन, एक जोडी चांदी का पायल की हुई चोरी । आरोपियों को तलाशने में पुलिस लगी हुई है।

संभागीय समीक्षा बैठक 18 को होगी आयोजित, अधिकारियों को निर्देश

नर्मदापुरम।, देशबन्धु। संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी द्वारा 18 फरवरी बुधवार को प्रात: 10.30 बजे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, विभाग, खादी ग्रामोद्योग एवं कुटीर विभाग, रेशम विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, की संभागीय समीक्षा बैठक ली जावेगी। बैठक में उक्त विभागों के संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होनें के लिए निदेर्शित किया गया है।

ध्यान रखें महाशिवरात्रि पर्व पर विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है

हरदा, देशबन्धु। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की अधिक संख्या एवं यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु विशेष यातायात व्यवस्था लागू की जा रही है। दिनांक 14.02.2026 के 12 बजे से 15 फरवरी 2026 के शाम 6.00 बजे तक हरदा (एन.एच.पर छिपानेर रोड़ ब्रिज) से करताना-छिपानेर रोड पर भारी वाहनों (ट्रक, डंपर, ट्रॉला आदि) का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। भोपाल की ओर जाने वाले समस्त भारी वाहन हरदा से छिपानेर ब्रिज होते हुए सिवनी मालवा - धर्मकुंडी मार्ग का उपयोग करेंगे। अथवा नेशनल हाईवे होते हुए हंडिया -नेमावर -खातेगांव फाटा से नसरुल्लागंज मार्ग के रास्ते भोपाल की ओर आवागमन करेंगे।

लापता 4 वर्षीय बालक महज एक घंटे में ही मिला तो छलकी आंखें

नर्मदापुरम, देशबन्धु। माखननगर में एक चार साल का बालक लापता होने के महल एक घंटे में मिला तो परिजनों की आंखें छलक आई। टीआई ने सोशल मीडिया पर परिजनों को खोजा। बहुत परिश्रम किया फिर उस बच्चे को नहलाकर कपड़े-चप्पल भी पहनाए। नर्मदापुरम के माखननगर टीआई अनूप उईके की तत्परता से लापता 4 साल का एक बालक अपने परिजन से मिल पाया। पुलिस निरीक्षक उइके ने सोशल मीडिया के माध्यम से बच्चे के परिजनों को एक घंटे में खोज निकाला। इतना ही नहीं टीआई ने बच्चे को नहलाया और फिर नए कपड़े चप्पल पहनाए। सभी ने इसकी प्रशंसा की।

पचमढ़ी के चौरागढ़ मेले में 2 श्रद्धालुओं की मौत

नंदीगढ़ में 50 फीट गहरी खाई में गिरा नागपुर का युवक; बुजुर्ग की हार्ट अटैक से जान गई...

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में चौरागढ़ बाबा के मेले में दर्शन करने आए दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और एक महिला लापता है। नंदीगढ़ पहाड़ी पर एक श्रद्धालु की 50 फीट गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई, जबकि दूसरे श्रद्धालु की दर्शन कर लौटते समय हार्ट अटैक से जान चली गई। शुक्रवार को घटना की सूचना के बाद एसडीईआरएफ (स्ष्ठश्वक्रस्न) और पुलिस की टीम ने खाई से शव निकाला। पचमढ़ी पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर लिया है और शनिवार को लापता हुई महिला की संयुक्त रूप से सर्चिंग की जा रही है।

खाई में गिरने वाले मृतक की पहचान 45 वर्षीय गणेश मानवतकर के रूप में हुई है। वे नागपुर के जयंतनगर (कलमना थाना क्षेत्र) के रहने वाले थे। सोशल मीडिया पर शेयर की गई एक पोस्ट से मृतक की पहचान हो पाई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गणेश मानवतकर हर साल चौरागढ़ महादेव के दर्शन के लिए आते थे। वे 9 फरवरी को नागपुर से निकले थे और नांदिया की तरफ से उन्होंने पैदल चढ़ाई शुरू की थी। इसी दौरान नंदीगढ़ की पहाड़ी (ट्रैक) से वे 50 फीट गहरी खाई में गिर गए।

एसडीईआरएफ और सिविल डिफेंस ने निकाला शव

शुक्रवार को लोगों की सूचना पर 50 फीट गहरी खाई में शव गिरा देखा गया। इसके बाद एसडीईआरएफ एवं सिविल डिफेंस की संयुक्त टीम 50 फीट गहरी खाई में उतरी। टीम ने शव को उठाकर पुलिस के सुपुर्द किया। सूचना मिलने के बाद शनिवार को मृतक की पत्नी और बेटा नांदिया पहुंच गए हैं।

एसडीईआरएफ और सिविल डिफेंस ने निकाला शव

शुक्रवार को लोगों की सूचना पर 50 फीट गहरी खाई में शव गिरा देखा गया। इसके बाद एसडीईआरएफ एवं सिविल डिफेंस की संयुक्त टीम 50 फीट गहरी खाई में उतरी। टीम ने शव को उठाकर पुलिस के सुपुर्द किया। सूचना मिलने के बाद शनिवार को मृतक की पत्नी और बेटा नांदिया पहुंच गए हैं।

दर्शन कर लौट रहे 75 वर्षीय बुजुर्ग को आया हार्ट अटैक

दूसरी घटना ग्राम नांदिया के पास पहाड़ उतरते समय हुई। यहां नसरुल्लागंज निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग मनोहर कास्दे की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। उनके साथियों ने बताया कि वे सभी चौरागढ़ महादेव के दर्शन करके पहाड़ी से नीचे उतरकर आ रहे थे। नांदिया से पहले बुजुर्ग को सीने में दर्द हुआ। उन्हें तत्काल अस्थाई मेडिकल कैंप ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

अवैध परिवहन करते 10 डम्पर जब्त, ओवरलोड थे, नियम को हवा में उड़ाते मिले

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा शुक्रवार को ग्राम-जासलपुर, तह.-नर्मदापुरम से 01 ट्रक को रेत का ओवरलोड परिवहन करते, मोहासा औद्योगिक क्षेत्र से 02 को मिट्टी खनिज का अवैध परिवहन करते जप्त कर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय प्रांगण में सुरक्षार्थ खड़े किये गये हैं। तहसील इटारसी में रेत के 07 ओवरलोड डंपरों को जप्त कर कृषि उपज मण्डी परिसर इटारसी एवं थाना परिसर रामपुर गुर्रा में सुरक्षार्थ खड़े किये गये हैं।

जिला प्रशासन की कड़ी कार्रवाई जारी

उक्त कार्यवाही में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी निलेश शर्मा,अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नर्मदापुरम जय सोलंकी, तहसीलदार इटारसी श्रीमती सुनिता साहनी, जिला खनि अधिकारी दिवेश मरकाम, खनि निरीक्षक पिंकी चौहान, प्र0 खनि निरीक्षक कृष्णकांत सिंह परस्ते, सिपाही हेमन्त राज एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

वहशी दरिंदे भूरा को पुलिस ने 24 घण्टे के अंदर किया गिरफ्तार

पड़ोसी ने बच्चे के साथ दुष्कर्म किया, जब दर्द से चिल्लाया तो पकड़ाने के डर से गला दबाकर मार डाला

हरदा ,देशबन्धु। , जिले के ग्राम सुखरास मे 12 फरवरी 2026 को पुराने मिडिल स्कूल के खंडहर में 6 वर्ष के बालक का शव मिलने की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्त में लिया है।शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में प्रेसवार्ता आयोजित कर पुलिस ने बताया कि बालक का शव मिलने की सूचना मिलने पर सूचनाकर्ता दिलीप की रिपोर्ट पर मर्ग क्र 06/2026 धारा 194 बीएनएसएस का पंजीबध्द कर जांच में लिया गया । जांच के दौरान घटना स्थल का निरीक्षण किया गया । मृत बालक का शव सुनसान पड़े खंडहर स्कूल में कपड़े से ढकी अवस्था में संदेहास्पद स्थिति में मिलने से मर्ग जांच में एफएसएल टीम व फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को घटना स्थल का निरीक्षण कराया गया । मृत बालक के परिजन व साक्षीगणों से विस्तृत पूछताछ कर साक्ष्य संकलित किये गये । शव परीक्षण पूर्व साक्षी पंचानो के कथन व चर्चा पर मृत बालक के साथ दुष्कृत्य उपरान्त हत्या होने का संदेह हुआ । मृत बालक का पीएम डाक्टरो की पैनल से कराया गया । संपूर्ण मर्ग जांच में संकलित साक्ष्य के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुध्द थाना सिविल लाईन हरदा में अपराध क्र 53/2026 धारा 103(1)बी.एन.एस. व लैंगिक अपराधो से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 5द्व/6 का दिनांक 13.02.26 को पंजीबध्द कर अनुसंधान में लिया गया ।

पुलिस अधीक्षक शशांक द्वारा उक्त घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए अज्ञात आरोपी की पतारसी करने के समुचित दिशानिर्देश प्रदान किये गये। अति पुलिस अधीक्षक अमित कुमार मिश्रा, एसडीओपी हरदा श्रीमति शालिनी परस्ते के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना सिविल लाईन हरदा रामसुमेर तिवारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया । जिसमें निरीक्षक रामसुमेर तिवारी. उपनिरीक्षक संतोष बामने, प्रधान आरक्षक 42 अनिल मर्सकोले, आरक्षक 326 वीरेन्द्र राजपूत , आपक्षक चालक 232 सचिन चौधरी, सैनिक 139 सूरज पासी द्वारा गाव के कई व्यक्तियों से चर्चा कर गोपनीय सूचनाये संकलित की गई।

अनुसंधान हेतु गठित टीम द्वारा गांव व आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज देखे गये घटना स्थल की ओर जाने वाले रास्ते में आहत बालक घटना स्थल तरफ जाता दिखा इसी ओर थोड़ी देर उपरान्त बच्चे के पीछे संदिग्ध भूरा उईके जाता दिखा। इसी क्रम में भूरा तो गाव की ओर वापस लौटते हुए सीसीटीव्ही फुटेज में दिखाई दिया। लेकिन मृतक बालक गाव की ओर वापस लौटते नही दिखाई दिया । गाव के बच्चे व व्यक्तियों से मिली जानकारी के अनुसार बालक को कालोनी में रहने वाला भूरा कुरकुरे का पैकेट खिलाकर खेत तरफ चलने की बात कह रहा था। तकनीकी साक्ष्य सीसीटीव्ही फुटेज व खूफिया जानकारी के आधार पर आरोपी भूरा पिता लक्ष्मीनारायण उईके से पूछताछ की गई तो उसने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बालक को कुरकुरे खिलाकर मित्रता करना व सुनसान स्कूल तरफ बड़ी बोर (बेर) दिलाने का लालच देकर खंडहर पड़ी स्कूल में ले जाना व एक कमरे में उसके साथ दुष्कर्म करना व चिल्लाने पर मुंह दबाकर बालक की हत्या कर देना स्वीकार किया । बालक का शव छुपाने की नीयत से बेंच आड़ी कर उस पर लिटाकर कपड़े से ढाक देना बताया । आरोपी भूरा उईके पिता लक्ष्मीनाराण उईके उम्र 35 साल जाति राजगौंड निवासी ग्राम सुखरास थाना सिविल लाईन हरदा को गिरफ्तार कर लिया गया है । मेडीकल परीक्षण उपरान्त न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जावेगा ।

उक्त कार्रवाई में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी रामसुमेर तिवारी थाना सिविल लाईन हरदा, उपनिरीक्षक संतोष बामने, प्रधान आरक्षक 42 अनिल मर्सकोले, आरक्षक 326 वीरेन्द्र राजपूत , आपक्षक चालक 232 सचिन चौधरी, सैनिक 139 सूरज पासी की अहम भूमिका रही।

हरदा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध की कार्रवाई, 1 गिरफ्तार

हरदा , देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान सतत रूप से संचालित किया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी, हरदा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली हरदा द्वारा विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की गई।

दिनांक 13/02/2026 को थाना हरदा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सोडलपुर की ओर से एक व्यक्ति बिना नंबर की मोटरसाइकिल से हरदा की ओर आ रहा है, जिसके पास अवैध मादक पदार्थ होने की संभावना है। सूचना पर थाना स्टाफ द्वारा फोरलेन रोड स्थित ड़गावानीमा पुलिया के पास घेराबंदी की गई।

घेराबंदी के दौरान मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिये का एक व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित आते हुए दिखाई दिया, जिसे रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना नाम सुशील पिता रामनारायण मालवीय, उम्र 35 वर्ष, निवासी श्रीनगर कॉलोनी, हरदा बताया।तलाशी लेने पर आरोपी के पास रखे थैले से 1 किलो 870 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडाचूरा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ?18,700/- है।

साथ ही आरोपी के कब्जे से बिना नंबर की होंडा शाइन मोटरसाइकिल (चेसिस नंबर क्क रूह्व4छ्वष्ट654क्का7014573), अनुमानित कीमत लगभग ?20,000/- जप्त की गई। आरोपी उक्त मोटरसाइकिल के वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध थाना हरदा में अपराध क्रमांक 99/26, धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

उक्त कार्रवाई में एएसआई जितेंद्र राजपूत, आरक्षक प्रदीप मालवीय एवं आरक्षक नीलेश पटेल का विशेष योगदान रहा।

एनएसएस शिविर में अनुशासन और सामाजिक चेतना के साथ तीसरा दिन पूरा, किया जागरूक

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कृषि महाविद्यालय, पवारखेड़ा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा पवारखेड़ा फार्म (ग्राम पंचायत) में 12 से 18 फरवरी तक आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस का आयोजन अनुशासन एवं सेवा भावना के साथ किया गया।

शिविर के तीसरे दिन प्रात:काल नियमित रूप से योग एवं पी.टी. गतिविधियों का आयोजन किया गया, इसी के साथ परियोजना कार्य के अंतर्गत खेल मैदान के बाहर एवं आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया और एनएसएस स्वयंसेवकों ने आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण किया, जहाँ बच्चों को हाथ धोने के सही तरीकों की जानकारी दी गई तथा स्वच्छता के महत्व पर जागरूक किया गया। इस अवसर पर बच्चों को चॉकलेट भी वितरित की गई। एनएसएस स्वयंसेवकों को नाश्ता वितरित किया गया। इसके बाद शिविर के तृतीय दिवस का कार्यक्रम एनएसएस अधिकारी डॉ अमिता पचौरी एवं अनसिंह निनामा के उपस्थिति में हुआ जिसमें अभय प्रताप सिंह तोमर ,नगर प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (क्रस्र्स) एवं अनुज चौरे का आगमन हुआ। इस दौरान मंच का संचालन स्वयंसेवक राज राजपूत के द्वारा किया गया। अतिथियों ने एनएसएस के उद्देश्य, शिविर की दैनिक दिनचर्या तथा एक एनएसएस स्वयंसेवक के जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया और जिसमें धन्यवाद समापन स्वयंसेवक अरविंद कुमार द्वारा किया गया।

बौद्धिक गतिविधियों के अंतर्गत अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मंच का संचालन स्वयंसेवक त्रिलोक राठौर के द्वारा किया गया, जिसमें विशेष अतिथि के रूप में डॉ. के.के. मिश्रा एवं डॉ. रीता कपिल नरवरिया उपस्थित रहीं। दोनों अतिथियों ने अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा भविष्य के लिए उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया जिसके बाद धन्यवाद और बौद्धिक सत्र का समापन स्वयंसेवक अनुराग पवार के द्वारा किया गया।

दिन के अंत में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा अपने निवास स्थल के सामने खेल मैदान में विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस प्रकार शिविर का तृतीय दिवस उत्साह, अनुशासन और सामाजिक चेतना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पुलवामा हमले में हुए शहीदों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि, कैंडल मार्च निकाला

नर्मदापुरम, देशबन्धु। *पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु नगर की जय हो सामाजिक कल्याण समिति द्वारा भावपूर्ण कैंडल मार्च का निकाला गया। कैंडल मार्च आजाद चौक मालाखेड़ी से प्रारंभ होकर विश्वकर्मा मंदिर, छोटा चौराहा होते हुए पुन: आजाद चौक पर समापन हुआ। हाथों में मोमबत्तियां एवं मशाल लिए बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थितजनों ने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि देश के वीर जवानों का बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा और उनका त्याग हम सभी को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। इस दौरान सेना के पूर्व जवान सूबेदार दिनेश सिंह चौहान, हवलदार सुरेन्द्र सिंह, हवलदार दुर्गेश राजपूत, हवालदार सुनील बर्दिया, हवालदार बलवंत, सूबेदार रामेश्वर चौहान, धनपाल तोमर, लोकेश तिवारी, महेश चौकसे, सागर शिवहरे, अभय वर्मा, राजेश अत्रे, रामनरेश सिंह चौहान, अमीन राइन, महेश बावरिया, दौलत राम यादव, बंटी यादव,अजय शर्मा, माखन कीर, गोलू राजपूत, प्रज्वल राजपूत, जीतू कीर, फैजान उल हक, गुलाम मुस्तफा, समिति अध्यक्ष अर्पित मालवीय, समिति के समस्त सदस्यगण जतिन यादव, लोकेश बिश्नोई, विशाल बावरिया, अनुराग वर्मा, कामेश नेमा, अजय बावरिया, सौरभ वर्मा, आकाश माझी, राजेश वर्मा, सौरभ वर्मा, कौशिक बावरिया, सागर पटेल, हर्षित पाल, कमलेश मौर्य, पीयूष गुप्ता, शिवम गोस्वामी, सोमू पटेल, अंकित साहू सहित समस्त देशभक्त उपस्थित रहे।*

कांग्रेस की बैठक: गांवों में जाएंगे, चौपाल लगाकर रखेंगे बात

हरदा, देशबन्धु। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शनिवार को जिला प्रभारी श्रीमती रचना जैन के नेतृत्व में समन्वय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक होटल बागवान में आयोजित की गई ।बैठक में जिला कार्यकारणी , मंडलम अध्यक्ष एवं पंचायत कमेटी, वार्ड कमेटियों के गठन को लेकर चर्चा की गई। जिला प्रभारी श्रीमती रचना जैन ने सभी ब्लाक अध्यक्षों को 20 फरवरी तक मंडलम अध्यक्ष सेक्टर अध्यक्ष एवं पंचायत कमेटी एवं वार्ड कमेटियों के गठन का निर्देश दिया । साथ ही गांव गांव जाकर किसानों एवं मजदूर वर्ग के साथियों के साथ मंडलम एवं ग्राम पंचायत में चौपाल चर्चा शुरू कर भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों पर चर्चा कर आगामी समय में जिला स्तर पर आंदोलन की रूप रेखा बनाने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहन साई, हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने ,टिमरनी विधायक अभिजीत शाह ,राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार हेमंत टाले, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शेर सिंह तोमर, पूर्व जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पंवार, ब्लाक अध्यक्ष गोविंद व्यास, नेता प्रतिपक्ष अमर रोचलानी सहित अन्य उपस्थित थे।

बच्चे कानूनी रूप से बने साक्षर,विधिक साक्षरता शिविरों का आयोजन

यौन शोषण, बाल विवाह जैसी बुराई के लिए की पहल

हरदा , देशबन्धु। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में शनिवार को एकीकृत शासकीय मा. शाला हरदाखुर्द में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीश/सचिव चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि बच्चों के अधिकारों के बारे में लोगों को शिक्षित करना और बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल यौन शोषण बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए है। साथ ही यह भी बताया गया कि नालसा डॉन स्कीम 2025 राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा द्वारा नशा उन्मूलन हेतु शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य, विशेष रूप से युवा व किशोरों में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरूध्द जागरूकता बढ़ाना और नशे के शिकार लोगों को कानूनी सहायता और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है।

इसी क्रम में बताया गया कि द्वारा नालसा बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना 2024 के आलोक में पॉक्सो एक्ट, पॉक्सो रूल्स तथा प्रतिकर से संबंधित अन्य कानूनी प्रावधानों एवं मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, 2015, नालसा लैंगिक हमलों/अन्य अपराधों की पीड़िताओं/सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना, 2018 की जानकारी उपस्थितजनों को प्रदाय की गई । उन्हें इस बारे में भी जागरूक किया गया कि वे किस प्रकार विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है।

उनके द्वारा बताया गया कि आमजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर/पत्र के माध्यम से/नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर/15100 पर कॉल कर विधिक सहायता/सलाह आसानी से प्राप्त कर सकते है। कानूनी मामलों में विधिक सलाह एवं परामर्श विधिक परामर्श केन्द्र से उक्त सेवा पूर्णत: नि:शुल्क है। शिविर में शिक्षकगण छात्र-छात्राएं एवं पैरालीगल वॉलेंटियर रेखा विश्नोई उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष ने किया राजघाट पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के नेतृत्व में नगर में चहुंओर निर्माण चल रहे हैं। शहर का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट राजघाट का जीर्णोद्वार कार्य का आज निरीक्षण किया गया। चल रहे कार्य की गुणवत्ता देखी तथा निर्माण एजेंसी को कार्य को गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा में करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री आयुषी रिछारिया, निर्माण एजेंसी के अजय नागेश आदि उपस्थित थे। उपयंत्री आयुषी रिछारिया ने बताया कि राजघाट का जीर्णोद्वार का कार्य तेज गति से चल रहा है। जिसमें रिटरिंग वाल का कार्य करीब 20 प्रतिशत हो चुका है। अधिकांश कार्य बारिश से पहले से पूर्ण हो जाएगा। शनिवार को नपाध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा चल रहे कार्य का निरीक्षण किया गया।

कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा पूर्ण करने के दिए निर्देश

भाषण कला बच्चों का खेल नहीं, इस उक्ति को बच्चों ने ही किया खारिज, द चैम्पस फन स्कूल में हुई प्रतियोगिता

नर्मदापुरम, देशबन्धु। ईशान परिसर स्थित द चैम्प्स फन स्कूल के रामायण हॉल में दो दिवसीय पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन स्कूल के रामायण हॉल में दिनांक 13 एवं 14 फरवरी को किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

13 फरवरी को प्री-प्राइमरी वर्ग के विद्यार्थियों का फाइनल राउंड आयोजित किया गया। वहीं 14 फरवरी को प्राइमरी वर्ग के विद्यार्थियों का फाइनल राउंड तथा एक्सटेम्पोरे प्रतियोगिता का प्रथम एवं अंतिम चरण संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में प्री-प्राइमरी फाइनल विजेताओं, प्राइमरी फाइनल विजेताओं तथा प्राइमरी वर्ग के एक्सटेम्पोरे प्रतियोगिता के विजेताओं का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों आर.के. गुप्ता (एडिशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर), डॉ हंसा व्यास (सेवानिवृत्त प्राध्यापक), राजेश शर्मा (प्राचार्य, एस.पी.एम स्कूल), डॉ. जयश्री निमजे (अस्सिटेंट प्रोफेसर, मैथमेटिक डिपार्टमेंट, नर्मदा महाविद्यालय) ने पुरस्कार वितरण किया।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल मेंश्रीमती विजया जैन, श्रीमती शीतल कंकाले एवं श्रीमती महेंद्र कौर रहीं। सभी अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में बच्चों एवं अभिभावकों को जीवन में आगे बढ़ने, निरंतर प्रयास करते रहने तथा सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। इन्होंने कहा कि हमें बच्चों से जीवन जीना सीखना चाहिए, अन्य ने अभिभावकों को बच्चों को डांटने के बजाय प्रोत्साहित करने की सलाह दी। सभी ने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते रहने हेतु प्रेरित किया।

विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती जूही चटर्जी एवं प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किए। पूर्व में अपने संबोधन में प्राचार्य ने अभिभावकों का स्वागत किया तथा बच्चों को जीवन में निरंतर प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी बच्चों ने प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम का मंच संचालन सुश्री मनीषा तोमर, सुश्री प्रिया निगम, सुश्री ऋचा सोनी एवं सुश्री प्रियंका खत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती स्नेहा राजपूत एवं सुश्री खुशी पटेल रहीं।

साहित्य

संघ-समर्थित बौद्धिक दावों की सीमाएँ

■ अरुण कुमार डनायक

रायपुर साहित्य उत्सव के दौरान वरिष्ठ कवि-आलोचक नरेश सक्सेना के इस कथन कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी काल में, अनेक तथाकथित बौद्धिक उत्सव आयोजित करने के बावजूद, ऐसा एक भी बुद्धिजीवी नहीं पैदा कर पाया जिसका नाम संघ के बाहर जाना-पहचाना हो और जिसे व्यापक बौद्धिक समुदाय में गंभीरता से स्वीकार किया गया हो - के साथ एक तीखी बहस का सूत्रपात हुआ। इस प्रश्न के उत्तर में संघ समर्थक खेमे से जो प्रतिक्रियाएँ सामने आती हैं, वे प्राय: तथ्यात्मक विवेचन से अधिक भावनात्मक आत्मरक्षा का रूप ले लेती हैं। यही इस विमर्श की मूल समस्या है।

संघ परिवार से जुड़े विचारकों द्वारा यह तर्क दिया जाता है कि 'लेखक' की परिभाषा स्वयं पक्षपातपूर्ण है और अकादमिक जगत ने वैचारिक कारणों से संघ-प्रेरित लेखन को मान्यता नहीं दी। यह आंशिक रूप से सही हो सकता है, किंतु इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि आलोचना निराधार है। किसी भी वैचारिक परंपरा की बौद्धिक क्षमता का मूल्यांकन उसके भावनात्मक प्रभाव से नहीं, बल्कि उसकी पद्धति, प्रमाण और आत्मालोचना की क्षमता से किया जाता है। इस संदर्भ में प्राय: दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' का उल्लेख केन्द्रीय उदाहरण के रूप में किया जाता है। किंतु अकादमिक दृष्टि से यह स्वीकार करना आवश्यक है कि 'एकात्म मानववाद' एक संक्षिप्त व्याख्यात्मक पाठ है, न कि सम्पूर्ण चिंतन मनन से विकसित दार्शनिक ग्रंथ। इसमें पश्चिमी पूँजीवाद और लोकतंत्र व समाजवाद की आलोचना तो मिलती है, पर भारतीय समाज की जटिल आर्थिक, सामाजिक और संस्थागत समस्याओं के लिए कोई स्पष्ट, परीक्षण योग्य समाधान नहीं मिलता। इसे संपूर्ण वैकल्पिक दर्शन के रूप में प्रस्तुत करना वैचारिक अतिरंजन है, न कि विश्लेषणात्मक निष्कर्ष। उपाध्याय जी की तुलना में राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी चिंतकों ने भारतीय सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के लिए अधिक ठोस और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए। किंतु भारतीय संदर्भ में सर्वाधिक समग्र और नैतिक समाधान महात्मा गांधी के लेखन में मिलता है, जिसे संघ परिवार ने प्राय: अनदेखा ही किया है।

इसी प्रकार संघ प्रभावित इतिहास लेखन पर भी गंभीर प्रश्न उठते हैं। इतिहास सुधार के नाम पर अक्सर ऐसा देखा गया है कि किसी ऐतिहासिक / औपनिवेशिक दस्तावेज़, पत्र या भाषण से एक पंक्ति को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि उसी दस्तावेज़ के शेष भाग में उस कथन की आलोचना या व्याख्या मौजूद होती है।

इसी प्रकार संघ प्रभावित इतिहास लेखन पर भी गंभीर प्रश्न उठते हैं। इतिहास सुधार के नाम पर अक्सर ऐसा देखा गया है कि किसी ऐतिहासिक / औपनिवेशिक दस्तावेज़, पत्र या भाषण से एक पंक्ति को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि उसी दस्तावेज़ के शेष भाग में उस कथन की आलोचना या व्याख्या मौजूद होती है। चयनात्मक उद्धरण इतिहास का पुनर्पाठ नहीं, बल्कि वैचारिक पुष्टि का उपकरण बन जाता है। कई अवसरों पर पौराणिक आख्यानों को ऐतिहासिक तथ्य के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे इतिहास और मिथक के बीच की आवश्यक बौद्धिक दूरी धुंधली हो जाती है। यह पद्धति इतिहास-लेखन की स्वीकृत अकादमिक कसौटियों के विपरीत है।

भारतीय बौद्धिक इतिहास में राष्ट्रवाद कोई एकरेखीय या एकरूप अवधारणा नहीं रही है। यह विभिन्न वैचारिक धाराओं - उदारवाद, समाजवाद, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, नैतिक राजनीति और औपनिवेशिक प्रतिरोध - के संवाद और संघर्ष से विकसित हुआ है। ऐसे में किसी भी संगठन या विचारधारा द्वारा यह दावा करना कि वही राष्ट्रवाद की एकमात्र प्रामाणिक अभिव्यक्ति है, अकादमिक दृष्टि से अस्थिर प्रतीत होता है। इस संदर्भ में महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू का लेखन आधुनिक भारतीय राष्ट्रवाद की वैचारिक धुरी के रूप में देखा जाना चाहिए। गांधी का राष्ट्रवाद नैतिकता, अहिंसा, सामाजिक समावेशन और आत्मालोचन पर आधारित था। उनके लिए राष्ट्र कोई धार्मिक या सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच नैतिक सह अस्तित्व की परियोजना था। इसी प्रकार नेहरू का राष्ट्रवाद वैज्ञानिक चेतना, आधुनिकता, लोकतांत्रिक संस्थाओं और बहुलतावादी समाज की कल्पना से जुड़ा हुआ था। इसके विपरीत, संघ समर्थित विमर्श में राष्ट्रवाद का स्वरूप प्राय: सांस्कृतिक-धार्मिक पहचान तक सीमित दिखाई देता है। 'राष्ट्र' को बहुधा 'हिन्दू राष्ट्र' के पर्याय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें नागरिकता, अल्पसंख्यक अधिकार, और वैचारिक बहुलता के प्रश्न गौण हो जाते हैं। यह राष्ट्रवाद आधुनिक राष्ट्र-राज्य की जटिलताओं से अधिक, सांस्कृतिक एकरूपता की आकांक्षा से संचालित प्रतीत होता है। इसी कारण इसे अकादमिक स्तर पर 'छद्म राष्ट्रवाद' कहा जा सकता है - ऐसा राष्ट्रवाद जो भावनात्मक रूप से प्रभावी है, पर वैचारिक रूप से अपूर्ण।

संघ समर्थित लेखन का एक और संरचनात्मक दोष यह है कि वह स्वयं को नैतिक रूप से 'आलोचना से परे' घोषित करने की प्रवृत्ति रखता है। यह कहा जाता है कि यह लेखन पुरस्कार, अकादमी या विश्वविद्यालयों के लिए नहीं, बल्कि 'संस्कार' के लिए है। किंतु अकादमिक विमर्श में यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। यदि कोई लेखन सार्वजनिक सत्य का दावा करता है, तो उस पर प्रश्न, परीक्षण और असहमति का अधिकार भी उतना ही वैध है।

संघ परिवार के बौद्धिक लेखन में एक और उल्लेखनीय समस्या 'वामपंथ' की परिभाषा को लेकर दिखाई देती है। वामपंथ को अक्सर साम्यवादी या मार्क्सवादी विचारधारा तक सीमित कर दिया जाता है और उसे एक समरूप, षड्यंत्रकारी और राष्ट्रविरोधी शक्ति के रूप में चित्रित किया जाता है। यह दृष्टिकोण न केवल ऐतिहासिक रूप से गलत है, बल्कि बौद्धिक रूप से भी संकीर्ण है। वामपंथी विचारधारा वास्तव में एक व्यापक वैचारिक स्पेक्ट्रम है, जिसमें समाजवादी, प्रगतिशील, मानवतावादी, स्त्रीवादी, रूढ़ि विरोध और लोकतांत्रिक विचारधाराएँ सम्मिलित हैं। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर संविधान निर्माण तक, वामपंथी और प्रगतिशील विचारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हें केवल विदेशी आयात या राष्ट्रविरोधी विचार कहकर खारिज करना बौद्धिक सरलीकरण है, न कि विश्लेषण। सबसे गंभीर प्रश्न सत्यनिष्ठा का है। कई अवसरों पर संघ-परिसर से जुड़े लेखकों द्वारा ऐसे तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं जिनके स्रोत अस्पष्ट हैं या जो बाद में असत्य सिद्ध हुए हैं। विचारधारात्मक प्रतिबद्धता तथ्यात्मक शिथिलता का औचित्य नहीं बन सकती। राष्ट्रवादी भाषा में कही गई असत्य बातें भी असत्य ही रहती हैं और अंतत: उसी वैचारिक परंपरा की विश्वसनीयता को क्षति पहुँचाती हैं।

यह कहना आवश्यक है कि यह आलोचना किसी एक विचारधारा के पक्ष या विपक्ष में नहीं, बल्कि बौद्धिक ईमानदारी के पक्ष में है। यदि संघ-परिसर वास्तव में वैचारिक परिपक्वता का दावा करता है, तो उसे सबसे पहले अपने ही लेखन को कठोर अकादमिक कसौटी पर कसने का साहस दिखाना होगा। बिना आत्मालोचना के कोई भी बौद्धिक परंपरा दीर्घकालिक प्रभाव नहीं छोड़ सकती। अंतत:, लेखक की पहचान भावनात्मक प्रभाव से नहीं, बल्कि विचार की संगति, प्रमाण की विश्वसनीयता और पद्धति की ईमानदारी से बनती है। जब तक इस बुनियादी सत्य को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक संघ-समर्थित बौद्धिक दावे आलोचना से मुक्त नहीं हो सकते।

(लेखक गांधीवादी विचारक व समाजसेवी हैं)

यात्रा वृत्तांत

पश्चिम के उस देश में जो सदा कलाकारों को प्रिय रहा है

■ सेठ गोविंददास

हम सबसे पहले रोम के प्रसिद्ध सैंट पाल गिरजाघर को देखने गए। कितना विशाल, भव्य और सुंदर यह गिरजाघर है। बनावट तथा उसकी सामग्री में तो नहीं, परंतु विशालता, भव्यता और सौंदर्य में इसका पूरा मिलान काहरा की मुहम्मद अली की मस्जिद से हो सकता है। जैसा विशाल, भव्य और सुंदर यह गिरजाघर है वैसी ही काहरा की वह मस्जिद और दोनों है उस जगदाधार जगदीश्वर की वंदना के स्थान। मुझे एकाएक दक्षिण भारत के ऐसे ही विशाल, भव्य और सुंदर श्री रंग, रामेश्वर एवं मीनाक्षी देवी मंदिरों का स्मरण हो आया। उन मंदिरों के गोपुरों, मंडपों आदि में भी ऐसी ही विशालता, भव्यता और सौंदर्य दिखता है, चाहे बनावट सर्वथा दूसरे प्रकार की ही क्यों न हो। तो स्थापत्यकला की भिन्न-भिन्न प्रणालियों से इन वस्तुओं का मन पर जो प्रभाव पड़ता है, उस प्रभाव का कोई संबंध नहीं है। चाहे स्थापत्यकला भिन्न-भिन्न प्रकार की हो, पर यदि निर्मित वस्तु में विशालता है, भव्यता है और सौंदर्य है तो मन पर उस वस्तु का प्रभाव एक-सा ही पड़ेगा। हाँ, इस दर्शन से आनंद प्राप्त करने के लिए मन को उदार होने की आवश्यकता अवश्य है। यदि मन में संकीर्णता है और धर्मांधता कि इस प्रकार की भावना कि चाहे हाथी के पैर के नीचे कुचल जाओ पर जैन मंदिर में पैर न रखो तो फिर मन को कोई आनंद प्राप्त नहीं हो सकता। इसलिए गाँधी जी की प्रार्थना के समय 'रघुपति राघव राजा राम' के साथ 'ईश्वर अल्लाह तेरे नाम' भी गाया जाता था। मेरे मन में काहरा की मुहम्मद अली को मस्जिद और रोम के सैंट पाल गिरजाघर के दर्शन से कुछ वैसे ही आनंद की उत्पत्ति जैसे भारत में दक्खिन के विशाल मंदिरों के दर्शन के समय हुई थी और इस आनंद में मुझे उस परमपिता परमात्मा की भी याद आई जिसकी महानता के स्मरण के लिए ही इन महान वस्तुओं का निर्माण हुआ था। हाँ, काहरा की मस्जिद और रोम के इस गिरजाघर की क़ब्रें मुझे ज़रा भी अच्छी न लगीं। नित्य के उस दर्शन की मन में अभिलाषा उत्पन्न कराने के लिए जिन ऐसी वस्तुओं का निर्माण होता है उनमें इस क्षणभंगुर अनित्य शरीर की कल क्यों बनाई जाएँ।

सैंट पीटर गिरजाघर के बाद सैंट पाल रोम का सबसे बड़ा गिरजाघर है। 1823 के अग्निकांड में जल जाने के बाद लगभग समूचा गिरजाघर ही फिर से बनाया गया है। यह गिरजाघर कान्स्टेन्टाइन ने बनवाया था। इसी स्थल पर सैंट पाल का सिर उतारा गया था। पाँचवीं शताब्दी में इस गिरजाघर को बड़ा बनाया गया। समय-समय पर गिरजाघर में और भी सजावट होती रही। अंत में इसकी गणना सर्वोत्तम गिरजाघरों में होने लगी। प्रोटेस्टेंट मतानुयायियों के सुधार-आंदोलन से पहले यह गिरजाघर इंग्लैंड के बादशाह के संरक्षण में रहता था।

यह गिरजाघर कालडेरिनी के डिज़ाइन के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें 146 स्तंभ है। मध्य में सैंट पाल की मूर्ति है। पीछे गुलाबी ग्रेनाइट के दस स्तंभ हैं।

इस गिरजाघर से हम गए उस स्थान पर जहाँ किसी ज़माने में मानव से सिंह की कुश्ती कराई जाती थी और उसे देखने चारों ओर नर-नारी एकत्रित होते थे।

सैंट पीटर गिरजाघर के बाद सैंट पाल रोम का सबसे बड़ा गिरजाघर है। 1823 के अग्निकांड में जल जाने के बाद लगभग समूचा गिरजाघर ही फिर से बनाया गया है। यह गिरजाघर कान्स्टेन्टाइन ने बनवाया था। इसी स्थल पर सैंट पाल का सिर उतारा गया था। पाँचवीं शताब्दी में इस गिरजाघर को बड़ा बनाया गया।

वह स्थान फ्लैवियन (Flavian) वंश के सम्राट् वैस्पेसियन ने बनवाया था। इसी स्थल पर नीरो के उद्यान की अप्राकृतिक झील थी। इस इमारत को सम्राट वैस्पेसियन के पुत्र टीटस ने 80 ईसवी में पूरा किया। इसका उद्घाटन समारोह सौ दिन तक चलता रहा और इस बीच कोई पाँच हज़ार वन्य पशुओं का वध किया गया। भूचाल, मरम्मत न होने और नागरिकों के दुरुपयोग के कारण यह इमारत बहुत कुछ नष्ट हो गई। इसे कोलोसियम कहा जाता है जो रोमन सम्राटों का क्रीड़ास्थल था और बर्बरता का केंद्र भी। कोलोसियम नाम पड़ने का कारण या तो यह हो सकता है कि यह इमारत ही अत्यंत विशाल है अथवा यह कि पास ही में नीरो की जो मूर्ति है वह अत्यंत विशाल है। यह इमारत अंडाकार है। इसका घेरा 576 गज है, लंबाई 205 गज है और चौड़ाई 170 गज है। इसकी ऊँचाई 157 फुट है। इमारत चौमंजिली है। अंदर अखाड़े के चारों ओर 50 हज़ार दर्शकों के बैठने लायक स्थान है। अखाड़े में मसीहियों पर किए गए अनेक अत्याचारों के स्मारक के रूप में क्रॉस रखा हुआ है। इमारत की चार मंज़िलों में से पहली तीन में स्तंभ हैं जो क्रमश: डौरिक, आयोनिक और कोरिथियन क़िस्म के हैं। चौथे मंजिल पर दीवार है जिसमें चौकोर खिड़कियाँ हैं।

इसके अंदर के अखाड़े की लंबाई 94 और चौड़ाई 59 गज है। अखाड़े के मैदान के चारों ओर पाँच गज ऊँचा चबूतरा-सा हैं। यह स्थान सम्राट के बैठने के लिए होता था। बड़े-बड़े अधिकारी —सेनेट के सदस्य, मजिस्ट्रेट, राजदूत, पुरोहित आदि और देवदासी कुमारियों को भी यहाँ स्थान दिया जाता था।

पहली मंज़िल बहादुर जवानों और सरदारों के लिए होती थी। बीज की मंज़िल नागरिकों के लिए होती थी और इसके उपरांत दीन जनों के लिए देखने का प्रबंध था। महिलाओं के लिए अलग गैलरी निश्चित थी।

प्राचीनकाल में यह कहा जाता था कि जब तक रोम में कोलोसियम है तब तक रोम भी है, इसके पतन के साथ-साथ रोम का पतन हो जाएगा और रोम के पतन के साथ-साथ संसार का पतन हो जाएगा।

पुस्तक : पृथ्वी परिक्रमा (पृष्ठ 55)
रचनाकार : सेठ गोविंददास
प्रकाशन : हिंदी प्रिंटिंग प्रेस संस्करण : 1954

'तेरे ख़त आज मैं गंगा में बहा आया हूँ'

■ उषा दशोरा

दूर तक फैले कीकर और बबूल के पेड़ों के बीच कच्ची पगडंडी पर सीताफल के दो पेड़ थे। उसी कच्ची पगडंडी पर चलते हुए ज़रा पीछे की ओर गरदन मोड़ लो तो सरकारी स्कूल का फाटक दिखने लगता था। लड़का-लड़की छुट्टी के घंटे के बाद इसी स्कूल से लौट रहे थे। लड़की कुछ आगे चलती थी और लड़का उसके आठ क़दम पीछे। उन दोनों के बीच वो आठ क़दम की दूरी ख़ाली दिखती थी, पर ख़ाली थी नहीं। क्या था उस ख़ाली जगह में?

और क्या? दो अल्हड़ फ़िरदौस दिलों में पहले-पहले लिखे प्रेमपत्र में इज़हार की घबराहट और ज़वाब के इंतज़ार की बेचैनी?

प्रेम में थे लड़का-लड़की। प्रेमपत्रों में ख़्वाबों की डोरियाँ गूँथते थे लड़का-लड़की। जब ज़मीन भयंकर बारिश के पानी में डूब रही थी, तब भी प्रेमपत्र के इंतज़ार में थे लड़का-लड़की। जब रेगिस्तान में पीली रेतीली आँधियाँ उड़ रही थी, तब भी प्रेमपत्र लिख रहे थे लड़का-लड़की।

तब दुनिया के सारे प्रेमी ख़ब्ती थे। मासूम ख़ब्ती। अगर तुम भी कभी मासूम प्रेमी थे। तो इंशा जी पर अभरोसे का सवाल ही कहाँ?

—ये बातें झूठी बातें हैं, ये लोगों ने फैलाई हैं।

हाँ बेकल-बेकल रहता है, प्रीत में जिसे दिल हारा पर शाम से लेकर सुबह तलक यूँ कौन खड़े हैं आवारा।

देखा तुमने, देखा? चलते-चलते वह लड़की रुक गई। फिर देखो, वहीं दोनों सीताफलों के पेड़ों के बीच लड़की मिट्टी में बैठ गई। गुम हुई कोई चीज़ ढूँढ़ने का बहाना करती हुई। अचानक उसने बँधी हुई जूते की लेस खोली। फिर से लेस बाँधने लगी। लड़की अब जा चुकी है। जहाँ बैठी थी, वहाँ अब प्रेमपत्र रखा है। धीरे से लड़के ने आठ क़दम पूरे किए और टुकुर-सा अपना पैर उस प्रेमपत्र के पास धर दिया। पास उगी जंगली चमेलियों की बेलें क्यों न मुस्काए इस मासूमियत पर? कहो तो? सारे प्रेमियों को लगता दुनिया को मूर्ख बनाना उसका अधिकार है। इधर सारी दुनिया को लगता है प्रेमियों पर नज़र रखना उनका कर्तव्य।

अब लड़का पगडंडी पर अकेला था। लड़की घर जा चुकी थी। स्कूल पीछे छूट चुका था। उस शाम पाँच बजे लड़के ने अपने जीवन का पहला प्रेमपत्र पढ़ा। गवाह थे वो दोनों सीताफल के पेड़। जिसके तने पर लड़के ने नुकीले पत्थर से लड़की के नाम का पहला अक्षर महीनों पहले ही गोद दिया था। उसने प्रेमपत्र को कई बार चूमा। प्रेमपत्र

पढ़ते-पढ़ते कई बार आँखें मींची। कई बार वहाँ लिखी लाइनें दोहराते हुए होठ भींचे। नीली स्याही पे उँगुलियाँ फेरते हुए प्रेमपत्र यूँ समेटा जैसे लड़की का नाज़ुक दिल।

उन दिनों लड़का देर रात क्षेत्रफल के सवाल हल करते-करते अचानक रुक जाता। रुककर गणित की कॉपी के आख़िरी पन्ने पर प्रेमपत्र लिखता। उन दिनों ही लड़की पेन का ढक्कन चबाते-चबाते तकिया पेट के नीचे दबा लेती। पाँव हवा में झुलाती और प्रेमपत्र का ज़वाब लिखती।

उन दिनों लड़की किसी शादी में दूल्हा-दुल्हन को देखती तो तमाम रेशमी ख़याल प्रेमपत्र में बिखराकर लड़के तक पहुँचा देती।

उन दिनों ही तो नोहरे में पंगत जिमाने के बाद लड़का किसी टूटी दीवार के पीछे बैठा लड़की का भेजा प्रेमपत्र पढ़ता और पचासों बार चूमता।

ये वो वाले दिन थे—जब मछलियों को उड़ने वाले ख़्वाब देखने पर सख़्त पहरा था और चिड़िया के तैरने वाले ख़्वाब देखने पर कड़ी पाबंदी थी। ये वो वाले दिन थे—जब दुनिया प्रेमपत्रों से भरी पड़ी थी : तकियों के नीचे, किताबों के बीच, अलमारी के भीतर, चावल के डब्बों में, सूखी लड़कियों की ढेर के नीचे, गमले की मिट्टी में गढ़े और कपड़ों के तहों में हर जगह धड़कते हुए प्रेमपत्र धीमी साँस लेते थे। ये वो वाले दिन थे—जब एंटिना घूमाने के बहाने, कपड़े सुखाने के बहाने, पतंग उड़ाने के बहाने, बाल सुखाने के बहाने प्रेम बसंत मुहल्लों में खिलता था। ये वो वाले दिन थे—जब तमाम चुंगी-नाका, तमाम चेकपोस्ट, तमाम बेरिकेट्स के बावजूद छोटा भाई, प्रेमी का कोई दोस्त, माशूक़ा की पक्की सहेली, अभी-अभी आई नई नवेली भाभी की हथेलियों से गुज़रते हुए हज़ारों प्रेमपत्र चुपके से दुनिया के प्रेमियों तक पहुँच रहे थे।

फिर एक दिन दुनिया के तमाम लड़का-लड़की बड़े हो गए। इतने बड़े की प्रेमपत्र छोटे रह गए। दुनिया के वे तमाम लड़का-लड़की जल्दी-जल्दी आगे बढ़ गए। इतने आगे बड़े की प्रेमपत्र पीछे रह गए।

—मैं फ़रवरी को प्रेम लिख रही हूँ
और तुम प्रेम को फ़रवरी समझना।

एक मुरझाए फूल ने दूसरे मुरझाए फूल को अभी-अभी एक शाइरी सुनाई। जो प्लास्टिक की पन्नीवाले फ्लावर बुके में फँसे थे। लेकिन शाइरी सुनने के बाद फ़रवरी के मुँह से वाह! वाह! की कोई आवाज़ नहीं आई।

कैसे आती? फ़रवरी के सीने पर दुनियाभर की मुहब्बत का बाज़ार दौड़ रहा था। वज़्न था उसके सीने पर प्रेम को ज़िंदा रखने का। लड़का-लड़की के हाथों में लाल गुलाब थे, चॉकलेट थी, टेडीबियर थे, हाथों में हाथ थे। नाच था, गान था। मोमबत्तियों की रोशनियों में डिनर था, जाम था। उन दोनों के बीच नहीं था तो बस एक प्रेमपत्र।

अब भी ज़मीन भयंकर बारिश में डूब रही थी। अब भी रेगिस्तान में पीली रेतीली आँधियाँ चल रही थी। पर कहाँ चले गए थे प्रेमपत्र को चूमनेवाले लड़के? कहाँ थी प्रेमपत्र के जवाबों का इंतज़ार करती लड़कियाँ?

दुनिया के सारे प्रेमपत्र किताबों में, तकिए के नीचे, चावल के डिब्बों में, ईंटों के नीचे, कपड़ों की तहों में अकेले रह गए थे। उन्हें ढूँढ़ने कभी कोई प्रेमी पीछे लौटकर क्यों नहीं जाता? हर साल प्रेमवाली फ़रवरी आती रहीं, प्रेमवाली फ़रवरी जाती रहीं। हर साल प्रेमवाली फ़रवरी कहती रहीं—

तेरे ख़त आज मैं गंगा में बहा आया हूँ।
आग बहते हुए पानी में लगा आया हूँ।
[राजेंद्र नाथ रहबर]

क्या इस वक़्त प्रेमपत्र लिखता कोई प्रेमी सुन रहा है फ़रवरी को?

(हिन्दवी से साभार)

दो कविताएं

■ हेमन्त शेष

प्यार का क्या करें कविगण

भारत में प्रेम एक घटिया शब्द
बनाया जा चुका है। और रहेगा।
इसे ही मुंबई का सिनेमा कहता है 'प्यार'
रही सही कसर सस्ते उपन्यास-सम्राटों ने पूरी कर दी है।
स्थिति यह है कि अब प्रेम करने वाले भी प्रेमी कहलाने से डरते हैं।
पर विडम्बना देखिए
गाहे-बगाहे हमें भी
पूरी गंभीरता से करना पड़ता है
इसी शब्द का इस्तेमाल।
और तब हम भीतर से प्रेम को लेकर उतने चिंतित नहीं होते
जितने होते हैं इसके दु:खद पर्यायवाची से:
कुछ खास-खास मौकों पर
हूबहू प्रेमी की तरह दिखते हुए 'प्यार' शब्द से डरते ,
भीतर से पर
महज
कवि रहते ।

दूसरा दर्ज़ा

दोपहर का वक़्त था वह
पर ठीक दोपहर जैसा नहीं,
नदी जैसी कोई चीज़ भागती हुई खिड़की से बाहर
सूख रही थी
पुलों और पटरियों के शोर को उलाँघता
किसी तंद्रा में कहीं जा रहा था मैं
बाहर
खेतों से उलझ रही थीं झाडियाँ
झाड़ियों से बेलें बेलों पर तितलियाँ तितलियों पर रंग
उन्हें ठहर कर देखने की हम में से भला
किसको फ़ुरसत थी
दृश्य जैसा हू-ब-हू
वह एक दृश्य था: किसी घाव की तरह ताज़ा और दयनीय
कछार का छू कर आ रही हवा में थे कुछ
जड़े हुए पहाड़
जिन पर छाई पीली घास
ऐसी दिखती थी जैसे कछुए की पीठ को
किसी ने रेती से घिस दिया हो

लाखों बरस पहले
चिड़ियों को पंख दिए गए थे
वे लोहे के अजगर की रफ़्तार से अभिभूत
एक साथ लहराती हुई उड़ रहीं थीं

किसी अप्रिय ज़िम्मेदारी के निर्वाह में
लोगों ने अपने घर छोड़े होंगे अक्सर इतिहास में
इसी तरह
अकेला कइयों के साथ मैं कहीं चला जाता था

वे क्यों चल रहे थे मेरे साथ
इस अन्तहीन समय में
आख़िर किस भरोसे पर

मैं किससे पूछता भी तो आख़िर किस से
ऊँघते और एक-दूसरे पर गिरते हुए भी वे प्राय:
निर्दोष लग रहे थे
डिब्बे के साथ-साथ अकेले लोग
हालाँकि थे वे एक दूसरे से बेतरह ऊबते

भारत के धुरंधर पाक को पस्त कर दबदबा बनाए रखने को मुस्तैद

भारत ने टी-20 विश्व कप में अब तक हुए आठ में सात मैच जीते, जबकि पाकिस्तान मात्र एक

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 14 फरवरी (देशबन्धु)। पाकिस्तान का भारत के खिलाफ आईसीसी टी 20क्रिकेट विश्व कप मैच के बहिष्कार का 'नाटक' खत्म हो चुका है। सूर्य कुमार यादव की अगुआई में भारत के धुरंधर अब पाकिस्तान को

- पाक स्पिनर तारिक का तोड़ हैं भारत के हार्दिक व शिवम दुबे
- भारत को साहिबजादा फरहान से चौकस रहना होगा

रविवार को कोलंबो के प्रेमदास स्टेडियम की धीमी पिच पर ग्रुप ए मैच में भी पूरी तरह फोकस हो पस्त कर अपना दबदबा बनाए रखने को मुस्तैद हैं। भारत ने दोनों देशों के बीच टी 20 विश्व कप में अब तक हुए आठ में सात मैच जीते जबकि पाकिस्तान मात्र एक बार दुबई में केवल 2021 के संस्करण में जीत पाया है। भारत ने एशिया के साथ वैश्विक मंच पर पाकिस्तान के खिलाफ अपना दबदबा जारी रखा है। भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को बीते बरस टी 20 एशिया में ग्रुप मैच में सात विकेट, सुपर 4 में छह विकेट और फाइनल में पांच विकेट से

रविवार का मैच : भारत बनाम पाकिस्तान (कोलंबो, शाम 7 बजे से)।

शिकस्त सहित उससे तीनों मैच जीत खिताब जीता था। भारत ने पाकिस्तान से अपने पिछले पांचों मैच जीते हैं और इसका उसे बेशक मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा। दोनों टीमों ने मौजूदा टी 20 विश्व कप में ग्रुप ए में शुरू के अपने अपने दो -दो मैच जीते हैं लेकिन भारत अपनी बेहतर नेट रन रेट के चलते शीर्ष पर है।

भारत के कप्तान सूर्य, इशान किशन,तिलक वर्मा और खासतौर पर हार्दिक पांडया और शिवम दुबे की की कोशिश 'संदिग्ध' गेंदबाजी को लेकर सुर्खियों में रहे पाकिस्तान द्वारा अपनी तुरुप के इक्के बताए जा रहे ऑफ स्पिनर उस्मान तारीक को अपने जेहन पर हावी होने की बजाय अपनी नैसर्गिक बल्लेबाजी करने की होगी। हकीकत यह है कि भारत के पास हार्दिक व शिवम दुबे पाकिस्तान मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक का तोड़ हैं। भारत रविवार को पाकिस्तान को भी हरा अपना अजेयक्रम जारी रख कर जीत की हैट्रिक के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रह सुपर 8 में स्थान बनाने को बेताब है। उस्मान तारिक सहित पाकिस्तान स्पिनरों को उसकी तुरुप का इक्का बताने और उनसे निपटने के बीच कोई दुनिया के नंबर 1 टी 20 गेंदबाज भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और बाएं हाथ के बेहद कंजूस और सटीक स्पिनर अक्षर पटेल की चर्चा की चर्चा ही नहीं कर रहा। भारत के पास भी वरुण और अक्षर के साथ कुलदीप यादव और यदि आखिर में अभिषेक शर्मा मैच फिट होने के चलते नहीं खेल पाते हैं तो फिर बजाय संजू सैमसन के वाशिंगटन सुंदर के रूप में चौथा स्पिन विकल्प भी है। वरुण, अक्षर के साथ कुलदीप यादव को उतार भारत पलटवार कर तीन स्पिनरों को उतार कर उसे उसके ही दांव में उलझा सकता है।

रविवार को पाकिस्तान के ऑफ स्पिनर उस्मान तारिक और बीते बरस एशिया कप में दो अर्द्धशतकों सहित 155 रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान से भारत को चौकस रहना होगा। पाकिस्तान की सबसे बड़ी दिक्कत है उसकी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान(दो मैच, कुल 120 रन) को छोड़ उसका शीर्षक्रम और मध्यक्रम बुरी तरह लड़खड़ाया दिखा। इसका अंदाज इसी बात से लग सकता है नीदरलैंड द्वारा पहले मैच में जीत के लिए 148 रन का पीछा करने में ही पाकिस्तान को जिस तरह पसीना आ गया और तीन गेंद के बाकी रहते मात्र तीन विकेट से जीत पाया। ऐसे में फरहान सस्ते में आउट हो गए तो फिर पाकिस्तान की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह सकती है। पाकिस्तान ने अपने शुरू के दोनों मैच कोलंबो में खेले है और करीब एक पखवाड़े से श्रीलंका में है।

दिल तो नहीं मिलेंगे, क्या हाथ मिलाएंगे कप्तान

भारत ने बीते बरस जब टी-20 एशिया कप जीतने के बाद पीसीबी और एशियाई क्रिकेट कार्उंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था वह जिस तरह 'ट्रॉफी' लेकर भाग गए उससे उनकी खूब जग हंसाई हुई। भारत को एशिया जीतने की यह ट्रॉफी आज तक नहीं मिली है। भारत के कप्तान सूर्य कुमार यादव ने तब पाकिस्तान कप्तान सलमाग आगा से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था और यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या दोनों कप्तान रविवार को कोलंबो में मैच से पहले हाथ मिलाते हैं या नहीं। हाथ मिले या न मिले लेकिन पाकिस्तान की ओछी हरकतों के चलते एक बात तो साफ है कि भारत का दिल तो उससे नहीं मिलेगा। इसकी कड़वाहट रविवार को भी दिख सकती है। ऐसे में कप्तान सूर्य कुमार यादव का अपने भारतीय धुरंधरों के मंत्र इस बेहद तनावपूर्ण मुकाबले के लिए संदेश धैर्य धर एकाग्र होकर खेलने का होगा। पाकिस्तान के बांग्लादेश के भारत में खेलने से इनकार करने और अपने सभी मैच श्रीलंका में कराए जाने पर अड़े रहने पर आईसीसी ने मौजूदा आईसीसी टी 20 विश्व कप से उसे बाहर कर दिया था। इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है कि बांग्लादेश के समर्थन में उसने केवल भारत के खिलाफ न खेलने बहाना बनाया। खैर अपनी दुर्गत कराने के बाद आईसीसी के 'डंडे' से बचने के लिए अब अपनी भद्द पिटवा भारत के खिलाफ रविवार को खेल रहा है।

पाकिस्तान को इस बार हराना आसान नहीं होगा: तिवारी

कोलकाता। टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच श्रीलंका के कोलंबो में 15 फरवरी को होने वाले मैच को लेकर पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा कि इस बार पाकिस्तान को हराना आसान नहीं होगा। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा कि इंडिया साफ तौर पर फेवरेट है-इसमें कोई शक नहीं। हालांकि, इस बार पाकिस्तान को हराना आसान नहीं होगा, क्योंकि वे कड़ी टक्कर देंगे। हमारी टीम हर डिपार्टमेंट में बहुत मजबूत दिख रही है। बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग-सभी जगह अच्छी तरह कवर हैं। चाहे ओपनिंग जोड़ी देखें, मिडिल ऑर्डर हो, स्पिनर हों या फास्ट बॉलर- इंडिया के पास हर जगह सॉलिड ऑप्शन हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि पाकिस्तान की टीम में दो-तीन खिलाड़ी भारतीय टीम को परेशान कर सकते हैं। यह पिछले मैचों की तरह एकतरफा नहीं होगा। पाकिस्तान के बारे में कोई भी टिप्पणी नहीं की जा सकती- क्योंकि, वे जीता हुआ मैच हार सकते हैं और हारा हुआ मैच जीत सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि अच्छा मैच होगा, जो टीम बेहतर खेलेगी, वही जीतेगी। दर्शकों का मनोरंजन हो, इससे बड़ी बात क्या हो सकती है।

आयरलैंड की पहली जीत, ओमान को 96 रन से हराया

कोलंबो, 14 फरवरी (एजेंसियां)। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट ग्राउंड, कोलंबो में टी-20 विश्व कप 2026 के ग्रुप बी का मुकाबला शनिवार को आयरलैंड और ओमान के बीच खेला गया। आयरलैंड ने शानदार खेल दिखाते

- आमिर ने 29 गेंदों से 50 रन जड़े

हुए ओमान पर 96 रन से बड़ी जीत दर्ज की है। 236 रन के पहाड़ से लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की टीम की तरफ से सिर्फ 2 बल्लेबाज ही आयरलैंड के गेंदबाजों का मजबूती से सामना कर सके। सलामी बल्लेबाज आमिर कलीम ने 29 गेंद पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। इसके अलावा चौथे नंबर पर आए हम्माद मिर्जा ने 37 गेंद पर 1 छक्का और 6 चौकों की मदद से 46 रन बनाए। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए सूफयान महमूद 10 रन बनाकर तीसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सका। ओमान की टीम 18 ओवर में 139 पर सिमट गई। आयरलैंड के लिए जोशुआ लिटिल ने 4 ओवर में 16 रन देकर 3, मैथ्यू हम्फ्रेस ने 4 ओवर में 27 रन

देकर 2, और बैकी मैकार्थी ने 3 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए। जॉर्ज डॉकरेल ने 1 विकेट लिया।ष्टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड ने खराब शुरुआत के बावजूद 5 विकेट पर 235 रन बनाए थे। एक समय 64 रन पर 4 विकेट गंवाकर मुश्किल में फंसी आयरलैंड कप्तान लॉर्कन टकर के 51 गेंदों पर 4 छक्कों और 10 चौकों की मदद से बनाए नाबाद 94 और गारेथ डेलानी के 30 गेंदों पर 4 छक्कों और 3 चौकों की मदद से बनाए 56 रनों और इन दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 56 गेंदों पर हुई 101 रन की साझेदारी के दम पर आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बनाए। पारी के आखिर में डॉकरेल ने 9 गेंदों पर 5 छक्कों की मदद से विस्फोटक 35 रन की पारी खेली। आयरलैंड का टी20 में यह सबसे बड़ा स्कोर है।

आमिर अर्द्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

कोलंबो। ओमान के अनुभवी ऑलराउंडर आमिर कलीम टी-20 वर्ल्ड कप में अर्द्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड के विरुद्ध 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्द्धशतक लगाया। 28 गेंदों में अर्द्धशतक लगाते हुए आमिर कलीम ने अपनी ही टीम के साथी मोहम्मद नदीम के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने इसी विश्व कप में श्रीलंका के विरुद्ध 43 साल और 161 दिन की उम्र में अर्द्धशतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 साल 345 दिन की उम्र में अर्द्धशतक लगाया था। आमिर हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे, उन्होंने 2016 एडिशन में हांगकांग के पूर्व कप्तान रयान कैंपबेल (44 साल और 30 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा था।

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया

कोलकाता, 14 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के 23वें मुकाबले में 5 विकेट से मात दी। यह टूर्नामेंट में इंग्लैंड की दूसरी जीत रही, जिसके साथ टीम ने ग्रुप-सी की प्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। ईडन गार्डन्स में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवरों में महज 152 रन पर सिमट गई। इस टीम को 18 के स्कोर तक 2 झटके लग चुके थे, जिसके बाद कप्तान रिची बेरिंगटन ने माइकल जोन्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी की। जोन्स 20 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 33 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद बेरिंगटन ने टॉम ब्रूस के साथ चौथे विकेट के लिए 41 गेंदों में 71 रन जोड़ते हुए टीम को 113 के स्कोर तक पहुंचाया। रिची बेरिंगटन ने 32 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 49 रन बनाए, जबकि टॉम ब्रूस 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इनके अलावा,

■ यह टूर्नामेंट में इंग्लैंड की दूसरी जीत रही

ओलिवर डेविडसन ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से आदिल रशीद ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि जोफ्रा आर्चर और लियाम डॉसन ने 2-2 विकेट निकाले। एक-एक विकेट जेमी ओवरटन और सैम करन ने हासिल किया। इसके जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने 13 के स्कोर तक अपने 2 विकेट खो दिए थे। यहां से जैकब बेथेल ने टॉम बैंटन के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की।

सार संक्षेप

मुचोवा और म्बोको में होगा खिताबी मुकाबला

दोहा। चेक की कैरोलिना मुचोवा शनिवार को दोहा में ग्रीस की मारिया सकारी पर तीन सेट की जीत के साथ कतर टोटलएनर्जीज़ ओपन के फाइनल में पहुंच गईं।इस जीत ने मुचोवा को उनके तीसरे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में पहुंचा दिया, क्योंकि वह इस लेवल पर अपने पहले टाइटल की तलाश में हैं।डब्ल्यूटीए दूर पर पिछली चार मुलाकातों में मुचोवा सकारी से कभी नहीं हारी थीं, लेकिन यह सिलसिला खतरे में दिख रहा था जब सकारी ने लगातार पांच गेम जीतकर 6-3, 2-0 की बढ़त बना ली। मुचोवा ने अपना अग्रेसिव स्टाइल जारी रखते हुए लगातार पांच गेम जीते और दूसरे सेट में 5-2 से आगे हो गईं। हालांकि सकारी ने अंतर 5-4 कर दिया, लेकिन मुचोवा ने मजबूती से सेट 6-4 से जीता और फिर तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम कर लिया। यह 29 साल की खिलाड़ी के लिए सीजन का दूसरा सेमीफ़ाइनल था और साल की उनकी 11वीं जीत थी - सिर्फ़ 19 साल की कनाडाई विक्टोरिया म्बोको के बाद दूसरी जीत, जिन्होंने शनिवार को येलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6-2 से हराकर अपनी 13वीं जीत हासिल की और अपने दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 फ़ाइनल में पहुँचीं।

सेरुंडोलो अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में

ब्यूनस आयर्स। टॉप सीड और लोकल फेवरेट फ्रांसिस्को सेरुंडोलो शुक्रवार को चेक विट कोप्रिवा को 6-4, 6-3 से हराकर अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। सेरुंडोलो, जो एटीपी टूर में 19वें नंबर पर हैं, ने अपने पहले सर्व पर 74 परसेंट पॉइंट जीते और 12 में से पांच ब्रेक पॉइंट को कन्वर्ट करके ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब की आउटडोर क्ले पर एक घंटे 38 मिनट में जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 95 कोप्रिवा ने चार डबल फॉल्ट किए और 31 अनफोर्स्ड गलतियां कीं। 27 साल के सेरुंडोलो ने कहा, 'यह एक मुश्किल मैच था। बहुत तेज़ हवा चल रही थी और ऐसे पल भी आए जब आपने बॉल मारी और पता नहीं चला कि वह कहाँ जा रही है। उसने बहुत अग्रेसिव, इंटेंस और फ्लैट, लो खेलना शुरू किया। मुझे इसकी आदत नहीं थी। मैंने अच्छा नहीं खेला और मुझे अनकम्फर्टेबल महसूस हुआ, इसलिए मैं जीतकर बहुत खुश हूँ।'

साथियान ने बनाई मेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जगह

चेन्नई। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई 2026 में चौथी सीड हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं, साथियान जी. ने अपने पहले मेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में देसाई और घोरपड़े ने ऑल-इंडियन मिक्स्ड डबल्स सेमीफाइनल में पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए वाइल्ड कार्ड पायस जैन और सिड्रेला दास को 3-0 (11-9, 11-6, 11-9) से शिकस्त दी। अब उनका सामना रोमानिया के दूसरे सीड एडुआर्ड इओनेस्कु और बनडिट स्जोक्स से होगा।इससे पहले, साथियान ने मेंस सिंगल्स में भारत की उम्मीदों को जीवित रखा। वह 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इओनेस्कु को 3-2 (9-11, 11-3, 10-12, 11-7, 11-5) से हराकर आगे बढ़े।

वोल्वार्ट, खाका ने दक्षिण अफ्रीका को सीरीज जिताई

बेनोनी, 14 फरवरी (एजेंसियां)। अयाबोंगा खाका के ज़बरदस्त स्पेल और कप्तान लौरा वोल्वार्ट के 29 गेंदों पर नाबाद 40 रनों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से बाधित दूसरे टी20 में पाकिस्तान की महिला टीम को छह विकेट से हराया। मेजबान टीम ने 14 ओवर के मैच में पाकिस्तान को 9 विकेट पर 100 रन पर रोक दिया और फिर चार गेंद बाकी रहते टारगेट हासिल कर लिया, जिससे उसे तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बन गई। 101 रन का पीछा करते हुए, दक्षिण अफ्रीका ने तजमिन ब्रिट्स और सुने लुस की मदद से अच्छी शुरुआत की और जल्दी से 30 रन जोड़े, इससे पहले सादिया इकबाल ने लुस को पगबाधा आउट कर दिया। विकेट ने थोड़ी देर के लिए रन बनाने की रफ़्तार रोक दी, लेकिन ब्रिट्स ने बाउंड्री लगाना जारी रखा, जबकि वोल्वार्ट ने जम कर खेला, दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 36 रन जोड़कर रन रेट को कंट्रोल में रखा। पाकिस्तान ने बीच के ओवरों में ब्रिट्स और डेन वैन नीकर्क सहित कुछ विकेट लेकर वापसी की, जिससे दक्षिण अफ्रीका को आखिरी चार ओवरों में 30 रन चाहिए थे।

कप्तानी की मुश्किलों का पता होता तो कम उम्र में कप्तान न बनता : होल्डर

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान जेसन होल्डर ने कहा है कि कप्तानी एक मुश्किल अनुभव है। अगर उन्हें इस बात की जानकारी रही होती, तो बहुत कम उम्र में उन्होंने वेस्टइंडीज की कप्तानी को स्वीकार नहीं किया होता। 23 साल की उम्र में वेस्टइंडीज के कप्तान बनाए गए जेसन होल्डर ने जियोस्टार पर कहा, 'जब मैंने कप्तानी संभाली, तो मुझे नहीं पता था कि मैदान के बाहर मुझे इतना कुछ करना होगा। जब मैंने इसे स्वीकार किया, तो मैंने इसे मैदान पर प्रदर्शन और गेम के दौरान खिलाड़ियों को मैनेज करने के नजरिए से ज्यादा देखा, लेकिन उस समय कप्तानी संभालना और मैदान के बाहर की सभी चीजों, जिसमें चयन और ये सभी अलग-अलग चीजें शामिल हैं, से निपटना मुश्किल था।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, मुझे नहीं लगता कि अगर मैं

उस अनुभव से नहीं गुजरा होता, तो मैं आज वह इंसान होता जो मैं हूं। मुझे जिंदगी में इसका कोई अफसोस नहीं है, लेकिन अगर मुझे तब पता होता जो मुझे अब पता है, तो शायद मैंने उस समय यह काम नहीं किया होता। अब यह समझते हुए कि कप्तानी में क्या होता है और देश का नेतृत्व करने का क्या मतलब है, शायद मैंने अपने करियर में इतनी जल्दी यह काम नहीं किया होता।' 2016 विश्व कप कैंपेन को याद करते हुए होल्डर ने कहा, '2016 का वह कैंपेन मुश्किल था, खासकर शुरुआत में। जब हम आए, तो हमारे पास कपड़ों और अनुबंध को लेकर दिक्कतें थीं।

नेपाल के खिलाफ वेस्ट इंडीज की नजरें लगातार जीत पर

मुंबई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में जब अपराजित वेस्टइंडीज का सामना पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप सी के हाई-स्टेक मुकाबले में नेपाल से होगा, तो रोमांच देखने को मिलेगा। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू होगा। कैरेबियाई टीम जबरदस्त फॉर्म में है, उसने शुरुआती दोनों गेम जीते हैं, जिसमें टूर्नामेंट की फेवरेट टीमों में से एक इंग्लैंड पर 30 रन की शानदार जीत भी शामिल है। शेरफेन रदरफोर्ड को कोई रोक नहीं सका, उन्होंने सिर्फ़ 41 गेंदों पर 76 रन बनाए, जबकि शिमरोन हेटमायर ने स्कॉटलैंड के खिलाफ पहले मैच में मैच जिताने वाली 64 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज के बॉलर्स ने भी गेंदबाजी का कमाल दिखाया है। रोमारियो शेफर्ड ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 5/20 विकेट लिए, और गुडाकेश मोती ने इंग्लैंड के खिलाफ अहम तीन विकेट लिए। हालांकि कप्तान शाई होप और ओपनर ब्रैंडन किंग टॉप पर स्ट्रगल कर रहे हैं, लेकिन मिडिल ऑर्डर और बॉलिंग अटैक ने टीम को

आज वेस्टइंडीज का सामना नेपाल से होगा

परफेक्शन तक पहुंचाया है।

इस बीच, नेपाल अभी भी अपने पहले पॉइंट की तलाश में है। राइनोज़ इंग्लैंड के खिलाफ बहुत करीब आ गए थे, सिर्फ 4 रन से हार गए, लेकिन डेब्यू कर रही इटली ने उन्हें 10 विकेट से बुरी तरह हराया, और पूरी टीम 123 रन पर आउट हो गई। खास खिलाड़ी रोहित पौडेल और आसिफ शेख फिर से चमक सकते हैं, जबकि लेग-स्पिनर संदीप लैमिछाने स्पिन-फ्रेंडली वानखेड़े ट्रैक पर नेपाल की उम्मीद होंगे, जिसने चार मैचों में स्पिनरों को 24 विकेट दिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर देने उतरेगी भारतीय महिला टीम

सिडनी, 14 फरवरी (एजेंसियां)। भारत अपनी पहली वर्ल्ड कप जीत से उत्साहित है और दुनिया की टॉप रैंक वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को मल्टी-फॉर्मेट सीरीज में उसके घर में चुनौती देगी। भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया के

- भारत अपनी पहली वर्ल्ड कप जीत से है उत्साहित

पिछले ताजों में से एक हासिल कर चुका है - अब, वे पूरे आत्मविश्वास के साथ सिडनी पहुंचे हैं और उनके पास सभी फॉर्मेट की सबसे अच्छी टीम होने का दावा करने का मौका है। रविवार को सिडनी में पहला टी-20 मैच, पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को चौंकाने के बाद दोनों कट्टर दुश्मनों के बीच पहली मुलाकात होगी, जिसमें भारत ने टूर्नामेंट की

पसंदीदा टीम को बाहर कर दिया था और फिर अपना पहला सीनियर महिला आईसीसी खिताब जीता था। उस जीत के बाद, हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना सहित भारत की सीनियर खिलाड़ियों ने कहा कि वे एक ट्रॉफी से संतुष्ट नहीं हैं, और इसके बजाय उनकी नजर दुनिया पर राज करने पर है। ऑस्ट्रेलिया को - जो दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में दुनिया की टॉप रैंक वाली टीम बनी हुई है (महिलाओं के लिए कोई टेस्ट रैंकिंग नहीं है) - उनकी धरती पर हराना उस वर्ल्ड डॉमिनेशन' बॉक्स में एक सीरियस टिक होगा। शनिवार को सिडनी में कौर ने कहा, 'हम अपने सभी टारगेट को पाने के लिए सच में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वनडे वर्ल्ड कप जीतना उनमें से एक था, इसलिए हम सही रास्ते पर हैं। हम बस

- हम अपने सभी टारगेट को पाने के लिए सच में कड़ी मेहनत कर रहे हैं : हरमनप्रीत कौर

सच में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, और उम्मीद है कि जब भी हम खेलेंगे तो अपना बेस्ट देते रहेंगे। हम जानते हैं (ऑस्ट्रेलिया) बहुत मजबूत है। हमने देखा है कि वे इतने लंबे समय से बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। एक बात बहुत साफ़ है, जब भी आप एक अच्छी सोच और एक अच्छे, पॉज़िटिव अप्रोच के साथ जाते हैं, तो आप हमेशा अपना बेस्ट दे सकते हैं।'मल्टी-फॉर्मेट सीरीज़ फॉर्मेट, जिसमें तीन टी20, तीन वनडे और एक टेस्ट शामिल हैं, यकीनन महिलाओं के खेल में सबसे बड़ी चुनौती है, जिसमें टीमों को अगले तीन हफ़्तों में जल्दी-जल्दी एक के बाद एक फॉर्मेट बदलने पड़ते हैं।

फ्रिट्ज, शेल्टन, शापोवालोव और सिलिच सेमीफाइनल में

डलास, 14 फरवरी (एजेंसियां) टेलर फ्रिट्ज, बेन शेल्टन, डेनिस शापोवालोव और मारिन सिलिक ने अपने क्वार्टर-फ़ाइनल मैच जीत कर नेक्सो डलास ओपन सेमीफ़ाइनल में जगह बना ली है। टेलर फ्रिट्ज़ ने शुक्रवार को एक कड़े मुकाबले और चोट के डर से उबरते हुए सेबेस्टियन कोर्डा को 6-7(2), 6-4, 7-6(5) से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। 4-5, 30/15 पहले सेट में, फ्रिट्ज़ ने एक अजीब बैकहैंड फ्लिक मारा जिससे तेज दर्द हुआ और उसी गेम में फिजियो को दिखाना पड़ा। पिछले साल लगी चोटों के बारे में पूरे हफ़्ते बात करने के बाद, यह एक खतरनाक नज़ारा था। फ्रिट्ज़ की चोट पर काम हुआ और उन्हें अभी भी दर्द महसूस हो रहा था, लेकिन उतना तेज नहीं। फिजियो ने उन्हें कई बार देखा, जिससे उन्हें मदद मिली। फिर भी, फ्रिट्ज़ को कोर्डा से निपटना पड़ा, जिन्होंने आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में 5/4 पर सर्व किया। लेकिन एटीपी रैंकिंग में पहले नंबर 15 के खिलाड़ी ने लगातार फोरहैंड गलतियां कीं, जिससे फ्रिट्ज़ बच निकले। टॉप सीड खिलाड़ी ने 22 एस मारे और अपने सामने आए सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए। फ्रिट्ज़ का अगला मुकाबला पहले वर्ल्ड नंबर 3 मारिन सिलिच से होगा, जिन्होंने सिर्फ 78 मिनट में ब्रेकथ्रू ब्रिटन जैक पिनिंगटन जोन्स को 6-1, 6-4 से हराया। दूसरे क्वार्टर-फ़ाइनल मुकाबलों में, दूसरी सीड बेन शेल्टन ने मिओमिर केकमानोविच को 5-7, 6-3, 6-4 से हराकर अपने 13वें टूर-लेवल सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई और अगस्त में टोरंटो में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपने करियर का सबसे बड़ा टाइटल जीतने के बाद यह उनका पहला टूर-लेवल सेमीफ़ाइनल था।

सार समाचार

सोलंदी बलाई समाज युवा संगठन के अध्यक्ष बने

आष्टा, देशबन्धु। अखिल भारतीय बलाई समाज आष्टा, जावर युवा संगठन का चुनाव समाज के वरिष्ठ जन द्वारा निर्विरोध चुने गये। जिसमें मुकेश मालवीय को युवा संगठन का अध्यक्ष एवं जितेन्द्र सोलंकी को कार्यक्रम चलसमारोह का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह मालवीय, बापू लाल मालवीय, जिला पंचायत सदस्य कमल सिंह चौहान, बलदेवसिंह मालवीय देवकरण सिंह पूर्व सरपंच, जगदीश चौहान, बाबूलाल मालवीय पूर्व पार्षद, कृपाल सिंह मालीखेड़ी का संरक्षण रहा। गजराज सिंह सोलंकी रामचरण दवरिया, बंशीलाल बाम्बे, मनोहर सिंह, पूर्व सरपंच अंबाराम, रूप सिंह गोरिया, ज्ञान सिंह चौहान, रवि मालवीय, ईमरतलाल, बलदेव सिंह मालवीय, कमल सिंह, राहुल परमल, लाड सिंह सोलंकी, नारायण सिंह, मुकेश सोलंकी, पप्पू मलेशिया, राजाराम शेट्टी, जीवन सिंह, एवं समाज के सभी वरिष्ठ जनो मैं अपनी अपनी सहमति जताई।

सड़क पर गड्ढों से वाहन चालक परेशान

रोजाना डेढ़ हजार से ज्यादा वाहन गुजरते हैं

भेरूंदा, देशबन्धु। नगर के मुख्य मार्ग से इंदौर जाने वाले रास्ते पर स्थित मंडी नहर चौराहे की बदहाल सड़क इन दिनों आमजन के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई है। चौराहे पर लंबे समय से बड़ा गड्ढा बना हुए हैं, जिनके कारण रोजाना हजारों राहगीरों और वाहन चालकों को जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 1500 छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं, जबकि यह रास्ता सीधे हाईवे से जुड़ा होने के कारण कुल संख्या इससे कहीं अधिक हो जाती है।

मंडी नहर चौराहा क्षेत्र का यह मार्ग नगर को हरदा, खातेगांव, नेमावर, खंडवा,इंदौर से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग इसी रास्ते से आते-जाते हैं, लेकिन सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों ने चलना दुश्वार कर दिया है। खासकर शाम ढलते ही स्थिति कम रोशनी के कारण दोपहिया वाहन चालकों को गड्ढों में गिरकर घायल हो जाते हैं।

दुकानदारों और रहवासियों के अनुसार रेत से भरे डंपर, हाईवा और ट्रालियां भी इसी मार्ग से आवा-जाही करती हैं। इनके आवागमन से सड़क की हालत और बिगड़ती जा रही है। ओवरलोड वाहन गड्ढों को और चौड़ा कर देते हैं, जिससे छोटे वाहनों के लिए रास्ता और अधिक खतरनाक बन जाता है।

कई बार ट्रालियों से गिरने वाली रेत भी सड़क पर फैल जाती है, जिससे फिसलन की स्थिति बनती है। नगरवासियों का आरोप है कि इस समस्या की जानकारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। राहगीरों का कहना है कि सड़क की मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है, जिससे कुछ दिनों बाद फिर वही स्थिति बन जाती है। चौराहे की यह बदहाली न केवल यातायात को प्रभावित कर रही है, बल्कि क्षेत्र की छवि पर भी नकारात्मक असर डाल रही है।

राहगीरों का कहना है कि यदि समय रहते गड्ढों की मरम्मत का काम नहीं किया गया तो कोई बड़ी दुर्घटना की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मंडी नहर चौराहे की सड़क का स्थायी समाधान किया जाए और गड्ढों को सुधारने ठोस कार्य योजना बनाई जाए तथा भारी वाहनों की आवाजाही पर भी नियमन किया जाए।

विधायक उमाकांत शर्मा ने जताई नाराजगी

वन परिक्षेत्र अतिक्रमण को लेकर विवाद गहराया

सिरोंज, देशबन्धु। वन क्षेत्र लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण और वन विभाग के नर्सरीयों की बदहाली को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में पूरे विधानसभा क्षेत्र में अतिक्रमण को संरक्षण दिए जाने की शिकायतें आई हैं, लेकिन विभाग कार्रवाई करने के बजाय मंदिरों पर कार्रवाई की तैयारी में दिखाई दे रहा है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विधायक ने अपने जारी बयान में कहा कि उन्हें क्षेत्र में वन भूमि के क्रय-विक्रय और अतिक्रमण से संबंधित सभी जानकारियां मिल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि धार्मिक स्थलों पर किसी प्रकार की कार्रवाई की जाती है, तो वह इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। विधायक ने मंदिरों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक आस्थाओं के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। उनके बयान के बाद यह मुद्दा सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है।मामले को लेकर वन विभाग के अधिकार रेंजर बृज मीना ने बताया कि संक्रांति मेले के दौरान सड़क किनारे स्थित वन भूमि पर एक व्यक्ति द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत मिली थी। संबंधित भूमि के पास साहू समाज द्वारा मंदिर निर्माण का कार्य चल रहा है और रास्ते को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई थी। अधिकारी के अनुसार, पक्षों में सहमति नहीं बनने पर विभाग ने भूमि पर फेंसिंग कर दी है और स्पष्ट किया है कि वन भूमि पर नया निर्माण बिना अनुमति के नहीं किया जाएगा।वन विभाग की ओर से यह भी कहा गया है कि किसी भी पुराने मंदिर को तोड़ा नहीं जाएगा तथा यदि मामला सार्वजनिक हित से जुड़ा है तो बैठकर समाधान निकाला जा सकता है। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि नियमों के तहत अनुमति मिलने पर ही आगे की कार्रवाई होगी और आवश्यकता पड़ने पर तीसरा समाधान भी तलाशा जा सकता है।

व्यापार समझौते के विरोध में कांग्रेस ने किया पुतला दहन

सिरोंज, देशबन्धु। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में शनिवार को सिरोंज शहर एवं आसपास की पंचायतों में ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा जोरदार पुतला दहन एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में किसानों, मजदूरों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी आवाज बुलंद की।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिरोंज के अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि प्रस्तावित ट्रेड डील देश के किसानों, छोटे व्यापारियों और स्थानीय उद्योगों के हितों के खिलाफ है। उनका आरोप है कि इस समझौते से विदेशी कंपनियों को लाभ मिलेगा, जबकि आम जनता और किसानों की आजीविका पर संकट गहरा सकता है। उन्होंने कहा कि बिना व्यापक चर्चा एवं सहमति के इस प्रकार के समझौते थोपना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।

पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष असगर खान ने बताया कि भारत-अमेरिका व्यापारिक डील का सीधा प्रभाव भारतीय किसानों पर पड़ेगा। उनके अनुसार यदि अमेरिका से कृषि उत्पादक वस्तुएं जैसे अनाज एवं दुग्ध उत्पाद भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में आएंगे तो स्थानीय किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पाएगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। उन्होंने इस डील को किसानों की कमर तोड़ने वाला कदम बताते हुए तत्काल निरस्त करने की मांग की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश तथा जिला संगठन प्रभारी प्रभु सिंह ठाकुर एवं जिला अध्यक्ष मोहित रघुवंशी के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवपुर द्वारा भी केंद्रीय कृषि मंत्री का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवपुर के अध्यक्ष अर्जुन राजपूत ने कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और सरकार को इस डील को वापस लेना चाहिए।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया जेल का निरीक्षण कहा-

किसी भी बंदी के साथ न हो जाति आधारित भेदभाव : न्यायाधीश

सीहोर, देशबन्धु। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य ने सीहोर जिला जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसार बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया तथा जेल में बंदियों से जाति आधारित भेदभाव या इस प्रकार की भेदभावपूर्ण प्रथाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री आर्य ने सभी संबंधितों को निर्देश दिए कि जेल में किसी भी बंदी के साथ जाति आधारित भेदभाव न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

इसके साथ ही विधिक सहायता से अधिवक्ता नियुक्ति, अपील प्रस्तुति, जमानत आवेदन प्रस्तुति, जमानत के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों, सजा पूरी होने के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश ने बंदियों की समस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान बंदियो को उनके अधिकारों और विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स श्री शरद जोशी, श्री राजेन्द्र कुमार कुशवाह, श्री आसिफ खान, कु. एकता सेन एवं जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल एवं बंदी गण उपस्थित थे।

त्यौहारों को दृष्टिगत फ्लैग मार्च निकाला गया

सिरोंज, देशबन्धु। आगामी शिवरात्रि एवं अन्य त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से सिरोंज पुलिस द्वारा शनिवार शाम फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में एसडीओपी सिरोंज एवं थाना प्रभारी सिरोंज के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

फ्लैग मार्च शाम 6:00 बजे सिरोंज शहर के मुख्य बाजार से प्रारंभ होकर छतरी नाका, बासौदा नाका एवं हाजीपुर होते हुए पुलिस थाना सिरोंज तक निकाला गया। मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजन से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की तथा त्योहारों के दौरान सतर्क रहने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीओपी, थाना प्रभारी सहित थाना सिरोंज का समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। पुलिस प्रशासन ने बताया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए निरंतर पेट्रोलिंग एवं निगरानी की जाएगी, ताकि नागरिक सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार मना सकें।

पंचकोशी यात्रा का आगमन, श्रद्धालुओं के लिए की व्यापक व्यवस्थाएं

भेरूंदा, देशबन्धु। धार्मिक आस्था की प्रतीक पंचकोशी पदयात्रा का आज भव्य आगमन छिपानेर में हुआ। नेमावर स्थित पावन मां नर्मदा तट से प्रारंभ हुई यह यात्रा हजारों श्रद्धालुओं के साथ सीहोर जिले के दादाजी धाम छिपानेर पहुंची। यह पदयात्रा वर्ष 1987 से निरंतर आयोजित की जा रही है। शुरुआत में कुछ श्रद्धालुओं के साथ शुरू हुई यह परिक्रमा आज नर्मदा भक्तों की विशाल आस्था यात्रा का रूप ले चुकी है। लगभग 80 किलोमीटर की यह पंचकोशी परिक्रमा विभिन्न गावों से होकर गुजरती है और श्रद्धालुओं को मां नर्मदा के प्रमुख घाटों एवं धार्मिक स्थलों के दर्शन कराती है। यात्रा के छिपानेर आगमन को लेकर प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं।

यहां 70 से अधिक पुलिस जवान व्यवस्था संभालनें के लिए तैनात हैं। थाना भैरुंदा और गोपालपुर से 15 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, वहीं पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल भी बुलाया गया है। घाट क्षेत्र, मुख्य मार्गों, पार्किंग स्थलों और भीड़ संभावित स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। ग्राम सरपंच और सचिव ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए चाय, नाश्ता एवं भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। यात्रा के एक दिन पूर्व भैरुंदा एसडीओपी रोशन कुमार जैन ने छिपानेर पहुंचकर संपूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस बल एवं संबंधित अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा इंतजाम, यातायात व्यवस्था और घाट क्षेत्रों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूर्व में ही पूर्ण कर ली गई थीं। अतिरिक्त पुलिस बल, गौताखोर और होमगार्ड जवानों की तैनाती की गई है।

वार्ड क्रमांक 7 के क्षेत्रवासियों ने किया स्वागत

गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना और कड़ी निगरानी जरूरी : नपाध्यक्ष

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने दी 19 लाख की सौगात

सीहोर, देशबन्धु। शहर में विकास कार्य तेजी से किए जा रहे है। वहीं शहर को सुंदर और स्वच्छ रखने के लिए भी नगर पालिका का अमला सतर्क है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने शनिवार को शहर के वार्ड क्रमांक सात में सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहाकि सड़क का निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ समयसीमा पर किया जाए। इस मौके पर उन्होंने 19 लाख से सीसी रोड के कार्य का यहां पर मौजूद क्षेत्रवासियों से भूमि पूजन कार्य का शुभारंभ कराया।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहाकि गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना और कड़ी निगरानी जरूरी, इसके लिए शहर में स्वच्छता मित्रतों के अलावा कचरा गाड़ी आदि लगाई गई है। वहीं नगर में लोगों को शुद्ध जल उपलब्ध हो इसके लिए भी नगर पालिका जल प्रभारी से चर्चा की। वार्ड क्रमांक सात के पार्षद विजेन्द्र परमार ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर के द्वारा क्षेत्र अंतर्गत शिवाजी कालोनी, जितेन्द्र कुशवाह से मालवीय के घर तक शिव मंदिर से गोविन्द्र गीते तक एवं गोपाल कुशवाह से राम सिंह के तक सीसी रोड का निर्माण कार्य का भूमि पूजन कराया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्षद राजेश मांझी, नरेन्द्र राजपूत, अजय पाल सिंह राजपूत आदि शामिल थे।

दिव्यांग सहायक वितरण कार्यक्रम हुआ संपन्न

गंजबसोदा, देशबन्धु। माध्यमिक शाला हाजीपुर के परिसर दिव्यांग विद्यार्थियों का विकासखंड स्तरीय सहायक उपकरण वितरण एवं नगरपालिका के द्वार कराये जा रहे विभिन्न निमार्ण कार्यो के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम विधायक उमाकांत शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ जिसमें 70 दिव्यांगों विद्यार्थियो को 3 लाख 60 हजार की लागत से विभिन्न सहायक उपकरण प्रदाय किए गए। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र एवं भारत माता के चित्र पर माल्यापर्ण एवं कन्या पूजन से किया गया तथा विधायक जी के द्वारा उपस्थित सभी दिव्यांगो विद्यार्थियों पर पुष्पवर्षा कर एवं पटका पहना कर उनका सम्मान किया गया। जिसमें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि दिव्यांग कोई भी हो सकता है जन्म से भी हो सकता है और जन्म के बाद भी हो सकता है सरकार सदैव दिव्यांगो के हित के लिये अनेक प्रयासो एवं अनेक योजनाओ का संचालन कर रही है पूर्व में भी शासन एवं समाज के सहयोग से हमने पोलियो जैसी बीमारियो को हराया है हम सबको भी मिलकर इनके सहयोग करने की आवश्यकता है वही विधायक जी के द्वारा उपस्थित अधिकारियो से बात करते हुए पूछा कि इन दिव्यांगो विद्यार्थियों की आप परीक्षा कैसे कराते है।

दिव्यांग विद्यार्थियों को मिली सहायक सामग्री, 70 बच्चों को योजनाओं का लाभ

सिरोंज, देशबन्धु। दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ सिरोंज विकासखंड में लगातार दिया जा रहा है। कक्षा 1 से 12 तक के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आर्थिक सहायता, भत्ते एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनकी शिक्षा और दैनिक जीवन सुगम हो सके।

जानकारी के अनुसार योजनाओं के अंतर्गत परिवहन भत्ता के रूप में 300 रुपये प्रतिमाह, रखरखाव भत्ता 300 रुपये प्रतिमाह, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए वाचक भत्ता 250 रुपये प्रतिमाह तथा बालिकाओं को विशेष प्रोत्साहन स्वरूप 200 रुपये प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जा रही है। बहुविकलांगता की स्थिति में बच्चों को एक साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाता है। विभाग द्वारा आवश्यकतानुसार 1200 रुपये प्रतिमाह तक अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है।

सितंबर माह में आयोजित विशेष शिविर में सिरोंज विकासखंड स्तर पर दिव्यांग विद्यार्थियों का चिन्हांकन किया गया था, जिसमें करीब 70 बच्चों की पहचान की गई। इसके बाद भारत सरकार की एलिमको (ALIMCO) टीम द्वारा ट्रायसाइकिल, व्हीलचेयर और हियरिंग मशीन सहित लगभग 5 लाख रुपये लागत की सहायक सामग्री वितरित की गई।

माध्यमिक शाला हाजीपुर परिसर में आयोजित विकासखंड स्तरीय सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम विधायक उमाकांत शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व कन्या पूजन से किया गया। इस अवसर पर विधायक द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों पर पुष्पवर्षा कर उनका सम्मान किया गया तथा पटका पहनाकर उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि दिव्यांगता जन्म से भी हो सकती है और जीवन में बाद में भी आ सकती है, इसलिए समाज और शासन को मिलकर दिव्यांगजनों के सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से परीक्षा प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली, जिस पर बताया गया कि विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए सहपाठी लेखन सहायता करते हैं तथा ब्रेल लिपि के माध्यम से भी पढ़ाई कराई जा रही है।

इस अवसर पर विधायक द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए 5 लाख रुपये की लागत से दिव्यांग शिक्षण कक्ष निर्माण की घोषणा भी की गई। जिला सहायक परियोजना समन्वयक ज्योति केदारे ने जानकारी दी कि विकासखंड में ब्रेल लिपि शिक्षण के लिए छह शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। कार्यक्रम में ब्रेल लिपि में प्रशिक्षित शिक्षिका फरहत उन्नीसा सहित अन्य शिक्षकों का सम्मान भी किया गया।

बीआरसी जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सहायक उपकरण वितरण के साथ-साथ विद्यार्थियों को परिवहन, वाचक भत्ता एवं स्टाइपेंड जैसी योजनाओं का भी लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, जनपद प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अभिभावक तथा दिव्यांगजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा नगरपालिका क्षेत्र में लगभग 1 करोड़ 13 लाख रुपये लागत के विभिन्न सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया गया।

यह पहल दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मंदिर जाएं तो स्व-कल्याण का भाव रखें : मुनिश्री

आष्टा, देशबन्धु। चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर अरिहंतपुरम में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने कहा कि गुरुओं का समागम प्रतिदिन नहीं होता, यह पुण्य के उदय से ही प्राप्त होता है। जब सानिध्य मिले तो उसका पूरा लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि चक्रवर्ती छ: खंड का स्वामी होता है, अपार वैभव का अधिकारी होता है, आज लोग थोड़े लालच में भगवान के दर्शन करने जाना छोड़ देते हैं, पहली प्राथमिकता उनकी धन होती है। किंतु सम्यकदृष्टि जीव अपने कर्तव्य से विमुख नहीं होता। वह सर्वप्रथम देव, शास्त्र और गुरु की आराधना करता है। मुनिश्री ने कहा कि जिस कार्य में व्यक्ति की श्रद्धा और रुचि होती है, वह उसे पूर्ण भक्ति भाव से करता है। सम्यकदृष्टि जीव यदि अपने नित्य धर्मकार्य नहीं कर पाता तो उसके मन में कमी का भाव आता है कि आज मेरा आवश्यक कार्य रह गया। जैन दर्शन भावप्रधान है। भाव पूर्वक, श्रद्धा और रुचि के साथ भगवान की पूजा करने से महान पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि

ट्रेन पकड़ने के लिए व्यक्ति समय से पहले रेलवे स्टेशन पहुंच जाता है, लेकिन मंदिर और धर्मसभा के प्रति वैसी तत्परता नहीं दिखाता। जिनेन्द्र भगवान के दर्शन से अनंत पापों का क्षय होता है। जैसे कालिया नाग के समान कर्म शिथिल हो जाते हैं, वैसे ही भगवान के सच्चे दर्शन से अंत:करण निर्मल होता है। देव,शास्त्र और गुरु के दर्शन करते समय औपचारिकता नहीं, अपितु एकाग्र भाव से प्रभु को निहारना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि आज व्यक्ति दूसरों की चिंता में अधिक रहता है, स्वयं के कल्याण पर ध्यान नहीं देता। संतों का धर्मोपदेश भी अपने आत्मकल्याण के लिए होता है। मंदिर जाएं तो 'स्व' का प्रयोजन रखें, पर का नहीं। घर से निकलते समय ही भगवान के दर्शन, पूजा और अभिषेक का स्पष्ट भाव बना लें। मात्र मंदिर जाने का भाव बनाने से ही लाख गुना पुण्य का बंध होता है। मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने आगे कहा कि जैसे किसी अंधे और निर्धन व्यक्ति को नेत्र और निधि दोनों मिल जाएं तो उसकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहता, वैसे ही भगवान के दर्शन करते समय वही आंतरिक आनंद और कृतज्ञता का अनुभव होना चाहिए। ज्ञान ऐसा धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता,बल्कि जितना बांटेंगे उतना बढ़ेगा। आज व्यक्ति धन संचय में लगा है, पुण्य संचय में नहीं।मुनिश्री ने प्रसंग सुनाते हुए कहा कि त्रियंच पर्याय में बैल के जीव ने भावपूर्वक जिनवाणी श्रवण किया तो अगले जन्म में सुग्रीव बना और श्रीराम का मित्र बना। मोबाइल जैसे साधन मनुष्य को असत्य बोलना अधिक सिखा रहे हैं, इसलिए मंदिर में निर्विकल्प भाव से जाएं।धनंजय सेठ के पुत्र का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि सर्पदंश के बाद भी सेठ ने भगवान की आराधना नहीं छोड़ी।

संकल्प अडिग रखा। उनकी पत्नी बालक को लेकर मंदिर पहुंची और प्रभु चरणों में समर्पित किया। सेठ के पुण्य उदय से बालक की रक्षा हुई। उन्होंने कहा कि सारा खेल पुण्य और पाप का है।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

संजय चौरसे को भारत सरकार ने बनाया सेंट्रल पब्लिक नोटरी

बैतूल, देशबन्धु। भारत सरकार द्वारा नोटेरी अधिनियम 1952 (1952 का 53) के अधीन बैतूल गर्ग कॉलोनी निवासी अधिवक्ता संजय कुमार चौरसे को नोटेरी के रूप में अधिकृत किया गया है। उन्हें सम्पूर्ण बैतूल जिले में नोटेरी के रूप में व्यवसाय करने की अनुमति प्रदान की गई है। जारी प्रमाण पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह नियुक्ति नोटेरी अधिनियम 1952 के प्रावधानों के तहत की गई है और उन्हें पांच वर्ष की अवधि के लिए नोटेरी कार्य करने हेतु प्राधिकृत किया गया है। यह प्रमाण पत्र 04 फरवरी 2026 को अपर विधिक सलाहकार, विधि एवं न्याय मंत्रालय, विधि कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी किया गया हैं। इस नियुक्ति के साथ अब संजय कुमार चौरसे अधिकृत रूप से बैतूल में नोटेरी सेवाएं प्रदान करेंगे।

चिकित्सा शिविर में 201 लाभार्थियों ने लिया आयुष की सेवाओं का लाभ

बैतूल,देशबन्धु। वन विद्यालय बैतूल में 14 फरवरी शनिवार को आयुष विभाग द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन कार्यालय संचालक वन विद्यालय बैतूल के आग्रह पर किया गया। शिविर संचालक वन विद्यालय बैतूल लक्ष्मीकांत वासनिक, अनुदेशक वन विद्यालय अमित खन्ना और सहायक अनुदेशक वन विद्यालय केएस बघेल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।जिला आयुष अधिकारी डॉ योगेश चौकीकर ने बताया कि वन विद्यालय बैतूल में नोडल अधिकारी डॉ लक्ष्मी किशनानी द्वारा आयुष विभाग की संचालित योजनाओं एवं सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

मरीजों को मिली राहत, बताए अनुभव

उन्होंने शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय में संचालित गुदा मार्गगत रोग चिकित्सा शिविर, पंचकर्म शिविर, गर्भ संस्कार, स्वर्ण प्राशन, आयुष क्योर एप तथा प्रतिदिन योगाभ्यास के संबंध में जानकारी प्रदान की।शिविर में डॉ नरेंद्र डढोरे, डॉक्टर पूनम नागले, डॉक्टर हेमराज इवने, डॉ अर्चना आसरेकर, डॉ शिवदयाल कुमरे सहित कुल 15 कर्मचारियों ने सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने रोग अनुसार नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया तथा योग शिक्षक सहायक ने दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने हेतु सरल योग क्रियाएं और अभ्यास कराए। कुल 201 लोगों ने उपचार एवं दवाओं का लाभ प्राप्त किया।

आस्था का केंद्र गुप्तेश्वर: प्रकृति खुद करती महादेव का श्रृंगार

महाशिवरात्रि आज

विलास खातरकर, आठनेर,देशबन्धु। आठनेर नगर से 3 किलोमीटर दूर दक्षिण दिशा में स्थित गुप्तेश्वर पीढ़ियों से आठनेर वासियो की आस्था का केंद्र रहा है। इस स्थान का श्रृंगार स्वयं प्रकृति ने किया है यहां पर बरसात के दिनों में गिरता झरना पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को सहज ही अपनी ओर आकर्षित करता है। इस स्थान को आठनेर के अलावा मजरेघोगरा गोंडीघोगरा सवासन छिंदवाड़ गुनखेड बरखेड धामोरी आठनेर सहित आसपास के गांवों के लोग बड़ी ही श्रद्धा एवं विश्वास से मानते हैं।

चरवाहे ने की थी गुप्तेश्वर की खोज, दिव्य स्थान

एक प्रचलित प्राचीन कथा के अनुसार गुप्तेश्वर की खोज एक चरवाहे ने की थी यहां दो पहाड़ियों के बीच से जलधारा निकलती है जो नीचे स्थित कुंड के पास बने शिवलिंग पर गिरती है जिससे शिवलिंग का पहाड़ों से आती हुई प्राकृतिक जलधारा से अभिषेक होता है । हालांकि कुछ वर्षों से प्रकृति के

बदलते स्वरूप एवं कम वर्षा के कारण झरना बरसात के दिनों में चार-पांच माह ही चलता है जिसे देखने के लिए कई पर्यटक पहुंचते हैं।

भोले के भक्तों ने कठिन राह को भी बनाया आसान

गुप्तेश्वर से जुड़े पुराने भक्त गुलाब ठाकरे बताते हैं कि पहले इस स्थान को गुब्बडखोदरी कहते थे जिसका नाम कालांतर में शुद्ध होकर गुप्तेश्वर हो गया 40 - 50 साल पहले यहां पहुंचना काफी कठिन था आठनेर सहित आसपास के लोग पैदल एवं बैलगाड़ी से चलकर यात्रा करते थे यात्रा इतनी कठिन थी की बैलगाड़ी भी ऊपर ही खेतों में खड़ी करके पैदल-पैदल बड़ी मुश्किल से गुप्तेश्वर में इस शिवलिंग का श्रद्धालु पूजन करते थे बिना किसी सरकारी मदद के धीरे-धीरे श्रद्धालुओं द्वारा पहाड़ की कटिंग करके पैदल रास्ता बना दिया गया जो अब काफी ठीक कर दिया गया है जिससे अब श्रद्धालु प्राचीन शिव मंदिर और चौरागढ़ तक जाने लगे हैं।

गुप्तेश्वर में आकर्षण का केंद्र चौरागढ़ मंदिर है ।यहां के भक्त महादेव गावंडे, संजय गलफट बताते हैं कि पहले चौरागढ़ बाबा की मूर्ति खुले आसमान के नीचे ही थी ।

क्षेत्र के सभी छोटे बड़े मंडल चढ़ाते हैं त्रिशूल शक्ति

वर्षों से आठनेर की भोला मंडल समिति यहां त्रिशूल शक्ति चढ़ाती आ रही है पहले जो श्रद्धालु पचमढ़ी नहीं जा सकते थे वह गुप्तेश्वर में त्रिशूल शक्ति चढ़ाकर शिव आराधना कर लिया करते हैं शिवरात्रि के दिन प्रतिवर्ष आसपास के गांवों के छोटे-छोटे बच्चों के मंडल तथा बड़े मंडल भी इस स्थान पर त्रिशूल शक्ति चढ़ाकर क्षेत्र की सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना करते हैं।

मंदिर समिति ने रास्ता सुगम बनाने की की मांग

चौरागढ़ समिति से जुड़े अमित जीतपूरे रवि अडलक विनोद कनाठे ने शासन से मांग की है कि चौरागढ़ एवं गुप्तेश्वर पहुंचने वाले उबड़-खाबड़ रास्ते को सुगम बनाया जाए आठनेर से मजरे घोगरा सवासन मार्ग का डामरीकरण है मगर लगभग दो किलोमीटर का रास्ता आज भी कच्चा एवं कठिन है जिसे ठीक कर दिया जाए तो गुप्तेश्वर एवं चौरागढ़ को आठनेर क्षेत्र के प्रमुख पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है । मेले का आयोजन ग्राम पंचायत एवं मंदिर समिति संयुक्त रूप से करती हैं गुप्तेश्वर में शिवरात्रि पर दो दिवसीय मेला आयोजित होता है जिसकी सभी व्यवस्थाएं गुप्तेश्वर समिति चौरागढ़ समिति एवं ग्राम पंचायत बरखेड़ करती आ रही है जहां पेयजल एवं मेले में लगने वाली दुकानों के आवंटन तथा आने वाले श्रद्धालुओं की संपूर्ण व्यवस्थाओं के संचालन का जिम्मा ग्राम पंचायत एवं मंदिर समिति ही उठाती है ।

रक्तदान शिविर के साथ शिवम सेवा समिति का 17वां विशाल भंडारा शुरू

बैतूल, देशबन्धु। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में शिवम सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कमानी गेट के पास न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना, महाआरती के साथ प्रसादी वितरण का कार्य प्रारंभ हुआ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल की उपस्थिति में भंडारे का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गा दास उइके, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत गर्ग, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, जिला भाजपा महामंत्री डॉ. महेंद्र सिंह चौहान, नगरपालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, उपाध्यक्ष महेश राठौर, कोठीबाजार भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम वैद्य, गंज भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, पूर्व नपा अध्यक्ष आनंद प्रजापति, मनीष मिसर, सुनील पवार, कुणाल शर्मा, डॉ. नितिन देशमुख, डॉ. अरुण जयसिंगपूरे, मंगू सोनी, गुड्डू देशमुख सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

अपने संबोधन में हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि शिवम सेवा समिति पिछले 16 वर्षों से भोपाली जाने वाले शिव भक्तों की सेवा का जो कार्य कर रही है, वह पुण्य का कार्य है। श्रद्धालुओं को जाते समय और लौटते समय दोनों अवसर पर प्रसादी के रूप में भोजन और पानी उपलब्ध कराया जाता है। आयोजन के 17वें वर्ष में प्रवेश पर उन्होंने समिति को शुभकामनाएं दीं।

750 किमी की यात्रा पूरी कर बारहलिंग पहुंची मां ताप्ती परिक्रमा पदयात्रा

बैतूल,देशबन्धु। 30 दिनों में लगभग 750 किलोमीटर का सफर तय करते हुए मां ताप्ती के भक्तों की 19वें वर्ष की तापी परिक्रमा यात्रा मंगलवार रात बारहलिंग पहुंची। ताप्ती किनारे स्थित बारहलिंग को मुलताई से सूरत तक का सबसे सुंदर और रमणीक स्थल माना जाता है। यहां पहुंचकर बड़ी संख्या में नए यात्रियों ने दर्शन किए और एक ही शिला पर देश के पूरे 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर भाव-विहोर हो गए।

बारहलिंग महान ताप्ती भक्ति और संत मौनी बाबा जी की कर्मस्थली है। मौनी बाबा जी वर्षों से यहां निवास कर मां ताप्ती के प्रति लोगों में आस्था और भाव जागृत कर रहे हैं। वर्तमान में महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां सात दिवसीय यज्ञ का आयोजन चल रहा है। शनिवार को दोपहर 2 बजे से हवन-पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्थल पर मौनी बाबा सहित अनेक शिव भक्तों का मेला लगा हुआ है। सेवा में जुटे मौनी बाबा के भक्तों ने आमजन से अपील की है कि बारहलिंग पहुंचकर शिव पूजन करें, 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करें और मां ताप्ती के पावन तट की महिमा का अनुभव करें।

बड़केश्वर धाम में आज महाशिवरात्रि पर होगा विशाल भंडारा

बैतूल। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आज 15 फरवरी को सोनाघाटी क्षेत्र के राजा भोज मार्ग स्थित बड़केश्वर धाम शिव मंदिर में भगवान शिव के विशेष पूजन-अर्चन के साथ विशाल भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। बड़केश्वर धाम समिति के अध्यक्ष देवा पवार ने बताया कि सुबह 9 बजे भोले बाबा का विशेष अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद हवन अनुष्ठान संपन्न होगा। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारा प्रसादी का शुभारंभ किया जाएगा।समिति के संरक्षक एवं विरासत समिति के जिलाध्यक्ष राजू अनुराग पवार ने जानकारी दी कि पिछले 14 वर्षों से निरंतर शिवभक्तों के लिए भोजन प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी जनता और शिवभक्तों से विशेष अनुष्ठान में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

भोपाली मेले में पहुंचे सैकड़ों शिव भक्त

बैतूल, देशबन्धु। प्रगतिशील कतिया समाज संगठन बैतूल के तत्वावधान में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विगत वर्ष 2006 से निरंतर भंडारा प्रसादी का वितरण किया जा रहा है। इस वर्ष भी 15 फरवरी 2026 को संत भूरा भगत सेवा समिति भोपाली द्वारा भोपाली मेले में शिव भक्तों के लिए प्रसादी वितरण का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोपाली मेले में पहुंचते हैं। ऐसे में संत भूरा भगत सेवा समिति एवं प्रगतिशील कतिया समाज संगठन द्वारा वर्षों से सेवा परंपरा का निर्वहन करते हुए भंडारे का आयोजन किया जाता है। दोनों संगठनों ने समस्त शिव भक्तों से अपील की है कि वे 15 फरवरी को भोपाली मेला पहुंचकर प्रसादी ग्रहण करें। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था भी की गई है। समिति ने सभी से आग्रह किया है कि जल संरक्षण का ध्यान रखें, व्यर्थ पानी न बहाएं, क्योंकि जल ही जीवन है।

सीसी रोड निर्माण में विवाद, उपसरपंच सहित तीन के खिलाफ रानीपुर थाने में शिकायत

उपसरपंच और पंच पति पर निर्माण कार्य तुड़वाने का आरोप, जांच की मांग

बैतूल, देशबन्धु। घोड़ाडोंगरी जनपद की ग्राम पंचायत अनकावाड़ी में सी.सी. रोड निर्माण कार्य को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। पंचायत में पहले से चल रही शिकवा-शिकायतों के बीच अब मामला थाना रानीपुर पहुंच गया है। सरपंच और सचिव सहित सीसी निर्माण में कार्य करने वाले मजदूरों ने संयुक्त रूप से थाना प्रभारी, थाना रानीपुर को लिखित शिकायत सौंपकर शासकीय निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है शिकायत में बताया गया है कि ग्राम पंचायत अनकावाड़ी में दीपक जोठे के घर से मोक्षधाम की ओर सी.सी. रोड का निर्माण कार्य जारी है। इसी दौरान पंच पति उपसरपंच और पंच पति द्वारा निर्माण कार्य में हस्तक्षेप किया गया। आरोप है कि मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य को तोड़ा गया और काम रुकवाने का प्रयास किया गया।

शिकायत के अनुसार संबंधित लोगों ने कार्यस्थल पर मौजूद मजदूरों के साथ गाली-गलौज की और उन्हें काम नहीं करने दिया। मजदूरों को स्पष्ट रूप से काम बंद करने के लिए कहा गया जिससे निर्माण कार्य बाधित हो गया।

पूर्व में भी बाधा और अभद्र भाषा का आरोप

सूचना मिलने पर सरपंच स्वयं मौके पर पहुंचे और मजदूरों से चर्चा की। शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि इससे पहले भी इन व्यक्तियों द्वारा निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न की गई थी तथा सरपंच के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था।लगातार हो रही इस प्रकार की घटनाओं से पंचायत के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

थाना रानीपुर में जांच और कार्रवाई की मांग

सरपंच और सचिव ने थाना प्रभारी से अनुरोध किया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि शासकीय सी.सी. रोड निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण कराया जा सके।

एक करोड़ के सहयोग से पीएमयूएम शिक्षक संघ ने रचा इतिहास

55 जिलों में सक्रिय, 90 हजार सदस्य और 1 करोड़ की सहायता

बैतूल, देशबन्धु। मात्र तीन सहयोग अभियानों में एक करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान कर पीएमयूएम शिक्षक संघ ने प्रदेश में संवेदनशीलता और संगठनात्मक एकता की ऐतिहासिक मिसाल कायम की है। जिला प्रभारी जिला बैतूल कृष्णा देशमुख और जिला अध्यक्ष रितेश राठौर ने बताया कि दिवंगत सदस्यों के परिजनों को आर्थिक संबल देने की इस अनूठी पहल ने संगठन को जनविश्वास का प्रतीक बना दिया है। संघ की शुरुआत टीकमगढ़ से हुई थी और आज यह मध्यप्रदेश के 55 जिलों में सक्रिय होकर ऑन रिकॉर्ड 90 हजार से अधिक सदस्यों का सशक्त परिवार बन चुका है।

तीन ऐतिहासिक सहयोग अभियानों में स्वर्गीय दिलीप सिंह लोधी दमोह के परिजनों को लगभग 40 लाख रुपये, स्वर्गीय राकेश अहिरवार दतिया/निवाड़ी के परिजनों को लगभग 38 लाख रुपये तथा स्वर्गीय किशुन प्रसाद लाड़िया दमोह के परिजनों को लगभग 22 लाख रुपये की सहायता दी गई है। किशुन प्रसाद लाड़िया के लिए सहयोग अभियान 20 फरवरी तक जारी है।

उपलब्धि के पीछे संस्थापक सतीश खरे की मानवीय सोच

इस उपलब्धि के पीछे संस्थापक सतीश खरे की मानवीय सोच प्रमुख आधार रही है। उनका कहना है कि एक करोड़ कोई उपलब्धि नहीं, यह सेवा यात्रा की शुरुआत है। सह-संस्थापक ब्रजेश असाटी की दूरदर्शी रणनीति और सह-संस्थापक मुरली मनोहर अरजरिया जी की व्यापक एवं सृजनात्मक सोच ने इस पहल को मजबूत आधार दिया। प्रदेश के 55 जिलों में सक्रिय जिला और ब्लॉक पदाधिकारी, आईटी सेल, प्रांतीय एवं संभागीय नेतृत्व तथा मातृ शक्ति की प्रेरणा से संघ सहयोग और एकता की सशक्त मिसाल बनकर उभरा है। बैतूल में जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पठाड़े और भोजराव गुजरे, जिला संगठन मंत्री अनिल कापसे, ब्लॉक प्रभारी रवि सरनेकर, मंगेश धुर्वे, सुभाष गाडरे, अनिल कौशिक, दिनेश सरयाम, एकनाथ महतकर, नरसिंह धुर्वे, विनोद ठाकुर, सैलेंद्र देशमुख, शिव सलामे, देवराम कालभोर, श्रीमती कविता मौखेडे और गीता बारंगे द्वारा कर्मचारी कल्याण कोष पीएमयूएम शिक्षक संघ के प्रचार-प्रसार और संगठन को मजबूती देने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

जिलेभर में मनाया मातृ पितृ पूजन दिवस

माता-पिता को किया प्रणाम, लगाया तिलक, लिया आशीर्वाद

बैतूल, देशबन्धु। जिलेभर में 14 फरवरी को मातृ पितृ पूजन दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सैकड़ों विद्यार्थी अपने पालकों के साथ उपस्थित रहे और भावुक वातावरण में माता-पिता का विधिवत पूजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने थाली में पूजन सामग्री सजाकर माता-पिता को तिलक किया, पुष्पहार पहनाए, मुंह मीठा कराया, आरती उतारी और चरण वंदना कर आशीर्वाद लिया। दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से शुभारंभ हुए आयोजन में पारिवारिक सम्मान और संस्कारों की अनूठी छटा दिखाई दी। विद्यालय सचिव मुकेश खंडेलवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में राजीव झा, राजेश मदान, सह सचिव दीपेश मेहता, सी ए सचिन आर्य, पूजा अमझरे, प्राचार्य जितेंद्र परसाई एवं वैभव जोशी मौजूद रहे। मुकेश खंडेलवाल ने कहा कि माता-पिता के आशीर्वाद से ही जीवन में सर्वांगीण विकास संभव है।

अटारी में नवीन बोर के साथ लाखों की लागत से बनेगी पानी की टंकी,बारंगवाड़ी में भी होगा बोर खनन कार्य

चिचोली,देशबन्धु। विकास खंड के सबसे ज्यादा पेयजल संकट से ग्रसित ग्राम अटारी में बैतूल सासंद व केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके एवं क्षेत्रीय विधायक श्रीमती गंगा सज्जनसिंह उइके के प्रयासों से लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग के माध्यम से यहां अधिकतम गहराई के नवीन बोर खनन के साथ हीं 75 हजार लीटर पानी का भंडारण करने हेतु 13 लाख 75 हजार रुपए की राशि से बनाई जाने वाली नवीन पानी की टंकी के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली हैं,जिसका टेन्डर भी हो चुका हैं,इसके साथ हीं ग्राम बारंगवाड़ी की नल-जल योजना फिर से व्यवस्थित प्रारंभ करने हेतु एक बोर खनन कार्य की स्वीकृति भी मिली हैं यहां भी इसी सप्ताह बोर खनन किया जाऐगा ताकि गर्मी में ग्रामीणों को पानी की दिक्कत ना हो सके।उक्त जानकारी पूर्व जनपद उपाध्यक्ष शंकरराव चड़ोकार ने देते हुए ग्राम अटारी में पेयजल के कामों की स्वीकृति दिलवाने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके एवं क्षेत्रीय विधायक श्रीमती गंगा सज्जनसिंह उइके के साथ ही चिचोली मंडल अध्यक्ष अमन आवलेकर एवं महामंत्री अमनसिंह कुशवाह के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पानी का स्त्रोत खोजने पहुंची टीम:- चिचोली के ग्राम अटारी के लिए स्वीकृत नवीन बोर खनन हेतु नवीन तकनीकी से पानी का स्त्रोत तलाशने पीएचई के सब इंजीनियर के साथ भूमिगत जल स्त्रोत खोजने पानी के सर्वे की एक टीम शनिवार दोपहर बाद ग्राम अटारी पहुंची थी,जिसने ग्राम में भ्रमण कर पानी का पता लगाने का प्रयास किया था विदित हो कि ग्राम अटारी में बीते डेढ़ दशकों से पीने के पानी के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं,बीते वर्षों में इस ग्राम अटारी के आस-पास दर्जनों बोर खनन किए गए ।2020-21 में बोरी-अटारी सीमा के मेन्ढे पर सड़क किनारे जरूर एक बोर सक्सेस हुआ था इसमे 4 इंच पानी भी निकला था मगर कुछ शरारती लोगों ने इसमें कांक्रीट पोल डालकर इसे कोलेप्स कर दिया था।

गढ़ा बांध से भी मिलेगा अटारी कों पानी

गढ़ा जलाशय परियोजना से ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध कराने हेतु बैतूल विधायक व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की अनुशंसा पर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई सामुदायिक समूह नल जल योजना से चिचोली ब्लाक के एक मात्र ग्राम अटारी कों वर्ष 2021-22 में जल निगम के माध्यम से जोड़ा गया हैं जिसका काम भी जारी है अगले वित्तीय वर्ष में इस योजना से पेयजल ग्रस्त ग्राम अटारी कों पीने का पानी उपलब्ध हों सकेगा।उक्त जानकारी पूर्व जनपद उपाध्यक्ष शंकरराव चड़ोकार द्वारा दी गई है।

परामर्शदात्री समिति की बैठक में शामिल हुआ अजाक्स संघ

बैतूल,देशबन्धु। जिला मुख्यालय पर आयोजित परामर्शदात्री समिति की बैठक में अजाक्स संघ के पदाधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। बैठक के दौरान विभिन्न प्रशासनिक और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई। इसी अवसर पर अजाक्स संघ के प्रतिनिधिमंडल ने नवागत सीसीएफ मधु व्ही राज से सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत किया तथा आगामी कार्यों को लेकर सकारात्मक संवाद किया। सौजन्य भेंट के दौरान संगठन की ओर से संभागीय अध्यक्ष अनिल कापसे ने विभागीय समन्वय और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। अजाक्स जिला अध्यक्ष दशरथ धुर्वे ने संगठन की गतिविधियों और अपेक्षाओं से अवगत कराया। बैतूल ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश उपराले ने स्थानीय स्तर की समस्याओं को प्रमुखता से रखा, वहीं बैतूल तहसील अध्यक्ष कल्पना परते ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने नवागत सीसीएफ को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

नवागत सीसीएफ मधु व्ही राज जी से की सौजन्य भेंट

आमला विधान सभा के चारों नवनियुक्त अध्यक्षों के साथ बनी रणनीति

आमला, देशबन्धु। आमला विधानसभा क्षेत्र में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष निलय डागा ने चारों नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण और रणनीतिक बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की। बैठक में हाल ही में नियुक्त जिला संगठन महासचिव बृजभूषण पांडे ने विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए संगठन विस्तार की ठोस रूपरेखा रखी।

बैठक में आमला ब्लॉक अध्यक्ष विजेंद्र भावसार, सारनी ब्लॉक अध्यक्ष बटेश्वर भारती, बोरदेही ब्लॉक अध्यक्ष महेश यादव और सारनी ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष ललित यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष निलय डागा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना ही पहली प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक में पंचायत कमेटियों का गठन शीघ्र किया जाए और उसके साथ ही हर वार्ड में सक्रिय वार्ड कमेटियां बनाई जाएं, ताकि संगठन की पकड़ बूथ स्तर तक सुनिश्चित हो सके। निलय डागा ने कहा कि जब तक संगठन की जड़ें गांव और वार्ड तक नहीं पहुंचेंगी, तब तक जनता की आवाज प्रभावी ढंग से नहीं उठाई जा सकती। जिला संगठन महासचिव बृजभूषण पांडे ने बैठक में विस्तृत कार्ययोजना रखते हुए बताया कि आने वाले समय में सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तिकरण और जनसमस्याओं के संकलन पर विशेष जोर रहेगा। बैठक के समापन अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पुलवामा में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुआ आतंकी हमला देश के इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है, हमारे वीर सैनिकों का साहस, शौर्य और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण सदैव अमर रहेगा।

जौलखेड़ा के पूर्व सरपंच मगनलाल सागरे बने बुनकर प्रकोष्ठ के नए जिला अध्यक्ष

बैतूल, देशबन्धु। जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल में संगठनात्मक विस्तार के तहत बुनकर प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पद पर जौलखेड़ा के पूर्व सरपंच मगनलाल सागरे की नियुक्ति की गई है। यह नियुक्ति बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सलीम काटनवाला द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक निलय विनोद डागा की अनुशंसा पर की गई। जारी नियुक्ति पत्र में आशा व्यक्त की गई है कि वे जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के साथ समन्वय बनाकर कांग्रेस संगठन को जिले में और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष सलीम काटनवाला ने नव नियुक्त जिला अध्यक्ष से अपेक्षा की है कि वे शीघ्र ही बुनकर प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का गठन कर उसकी सूची प्रेषित करें।

राज्यपाल से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की सौजन्य भेंट

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने शनिवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल का प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने डॉ. मिश्रा को अंग वस्त्रम् और साँची स्तूप की प्रतिकृति स्मृति स्वरूप भेंट की।

मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने की मुलाकात

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने शनिवार देर शाम समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी डॉ. मिश्रा को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया एवं बाबा महाकाल की प्रतिकृति स्मृति स्वरूप भेंट की।

मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर जिले को दी 80 विकास कार्यों की सौगातें, कई घोषणाएं की

बुरहानपुर में बनेगा मिनी एयरपोर्ट, शाहपुर को बनाएंगे नगर पालिका

- सहकारी सूत मिल श्रमिकों को होगा बकाया राशि का भुगतान
- केला उत्पादकों के लिए स्थापित होगी वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण इकाई

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का चहुंमुखी विकास ही सरकार का एकमात्र लक्ष्य है। आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में हर नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सबको साथ और विश्वास में लेकर हम ऐसे नये मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे, जहां विकास केवल अवसर नहीं, यहां के हरेक नागरिक का अधिकार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को बुरहानपुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 696 करोड़ 37 लाख रुपये लागत के 80 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कर बुरहानपुर जिले के समग्र विकास को नई गति दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बुरहानपुर का विकास हमारी प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर में मिनी एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की। उन्होंने बुरहानपुर में केला उत्पादक किसानों के हित में वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण के लिए इकाई स्थापित करने, बुरहानपुर में कृषि आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में नगर परिषद शाहपुर को परीक्षण उपरांत नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा। बुरहानपुर में वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हॉर्टीकल्चर सब्जेक्ट अब प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में पढ़ाया जाएगा। उन्होंने खामनी से दही हांडी तक खामनी से रायगांव एवं शाहपुर से सुखपुरी तक सड़क बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर में युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रारंभ किए जाएंगे। राज्य सरकार बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों के बकाया भुगतान कराएगी और यहां नए उद्योग-धंधे भी स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों की 2 वर्ष की उपलब्धियों और भावी विकास योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

बुनकरों का शहर है बुरहानपुर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि से लेकर कपड़ा निर्माण तक, दवा से लेकर फर्नीचर उद्योग तक, पाइप निर्माण से लेकर कृषि उपकरण निर्माण तक बुरहानपुर का जवाब नहीं। यह जिला पावरलूम उद्योग का प्रमुख केन्द्र है और कपड़ा उत्पादन के कारण बुनकरों के शहर के रूप में बुरहानपुर के नाम से विख्यात है। यहां का केला उत्पादन, फसल विविधता और परिश्रमी किसान, यही हमारे कृषक कल्याण वर्ष की असली ताकत हैं। कार्यक्रम को जल संसाधन एवं बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट,खण्डवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक बुरहानपुर एवं पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शनिवार को नवपदस्थ आयुक्त जनसम्पर्क एवं प्रबंध संचालक मप्र माध्यम मनीष सिंह ने मुख्यमंत्री निवास पर सौजन्य भेंट की।

मनीष सिंह ने जनसंपर्क आयुक्त का कार्यभार संभाला

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मनीष सिंह ने शनिवार को आयुक्त जनसंपर्क एवं प्रबंध संचालक, म.प्र. माध्यम के पद पर कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की।

कार्यभार संभालने के बाद मनीष सिंह ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुँचाना विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

इस दिशा में समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे। आयुक्त जनसंपर्क और प्रबंध संचालक माध्यम श्री सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जनहित के कार्यक्रमों के प्रभावी प्रचार-प्रसार और समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल दिया।

एसआईआर : दावे आपत्ति की सुनवाई पूरी, 21 को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति पर सुनवाई पूरी हो गई है। इसके बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश में विभिन्न श्रेणियां में एक करोड़ से अधिक नोटिस जारी किए गए थे।संयुक्त मुख्य निर्वाचन रामप्रताप सिंह जादौन के मुताबिक, एसआईआर के तहत चल रहे दावे आपत्तियों और जारी नोटिसों की सुनवाई का काम तय समय में पूरा कर लिया गया है। चुनाव आयोग के तरफ से जारी कार्यक्रम के अनुसार, सुनवाई का काम 14 फरवरी तक पूरा कर लिया जाना था। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के सभी जिलों में शत-प्रतिशत सुनवाई पूरी कर ली गई है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन तय कार्यक्रम के मुताबिक 21 फरवरी को कर दिया जाएगा। वैसे पूरे प्रदेश में 22 जनवरी तक 15 लाख से अधिक लोगों ने दावे आपत्तियां आई थीं।

प्रदेश भर में फॉर्म-6 करीब नौ लाख प्राप्त हुए थे। वहीं, फॉर्म -7 करीब डेढ़ लाख प्राप्त हुए थे। जबकि फॉर्म-8 सवा पांच लाख से अधिक प्राप्त हुए थे। ग़ौरतलब है कि प्रारूप सूची के प्रकाशन के बाद प्रदेश में 5 करोड़ 31 लाख 31हजार 983 मतदाता रह गए हैं। एसआईआर शुरू होने के पहले प्रदेश में 5 करोड़ 74 लाख छह हजार 143 मतदाता थे।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 4 अधिकारी इधर से उधर

भोपाल, देशबन्धु। सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के 4 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग के मुताबिक, शुजालपुर जिले के अपर कलेक्टर भुरला सिंह सोलंकी को स्थानांतरित करते हुए आगर मालवा जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह छतरपुर जिले में पदस्थ अपर कलेक्टर मिलिंद कुमार नामदेव को खरगोन जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। बुरहानपुर जिले के अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान को स्थानांतरित करते हुए उन्हें जिला पंचायत भिंड का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। उधर, अब तक इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के उप महाप्रबंधक रहे राकेश शर्मा को स्थानांतरित करते हुए मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, भोपाल का मुख्य महाप्रबंधक बनाया गया है।

भाई की लाईसेंसी बंदूक से की खुदकुशी

पूर्व विधायक के भांजे ने खुद को मारी गोली

अशोकनगर, देशबन्धु। भाजपा के पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी के के भांजे 26 वर्षीय गुरतेज संधू ने खुद को गोलीमार खुदकुशी कर ली। उन्होंने इंगलखेड़ा ग्राम स्थित अपने आवास पर बड़े भाई की लाईसेंसी बंदूक से खुद पर गोली चलाई। घटना उस वक्त हुई जब परिवार के सभी सदस्य एक सगाई समारोह में शामिल होने के लिए गए हुए थे।

बताया गया कि शुक्रवार को घटना के वक्त देहात थाना क्षेत्र स्थित इंगलखेड़ी गांव में गुरतेज घर पर अकेला था। बताया जा रहा है कि उसने अपने बड़े भाई की 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक की नाल

अपने माथे पर रखी और गोली चला दी। धमाके की आवाज सुनकर घर में काम कर रहा नौकर घबरा गया। वह दौड़कर कमरे में पहुंचा, तो उसने देखा कि गुरतेज खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था।

गुरतेज की हालत देखकर घबराया कर्मचारी बदहवास हालत में वहां से बाहर आया और वह ट्रैक्टर स्टार्ट किया और सीधे उस होटल पहुंचा, जहां सगाई कार्यक्रम चल रहा था। होटल पहुंचकर जब उसने यह सूचना दो, तो खुशियों का माहौल चीख पुकार में बदल गया और परिजन तत्काल घर पहुंचे। फिलहाल आत्महत्या के कारण का खुलासा नहीं हो सकता है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

भाजपा फॉर विकसित केरलम के तहत जनप्रतिनिधियों ने भोपाल में मुख्यमंत्री और ग्वालियर में विस अध्यक्ष से की मुलाकात, कई स्थानों का किया भ्रमण

केरल में भाजपा व एनडीए का परचम लहराएगा : डॉ. यादव

भोपाल/ग्वालियर, देशबन्धु। ''भाजपा फॉर विकसित केरलम'' कार्यक्रम के तहत आज केरल के निकायों के जनप्रतिनिधि आज 2 दिवसीय प्रवास पर भोपाल और ग्वालियर पहुंचे। केरल के जनप्रतिनिधियों ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और ग्वालियर में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर योजनाओं का किया अवलोकन किया। भोपाल आए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर डॉ. यादव से मुलाकात की। डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के संघर्षों से आने वाले समय में केरल में भाजपा व एनडीए का परचम लहराएगा।

इसके अलावा भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों से संवाद किया। भाजपा पदाधिकारियों ने पार्टी संगठन की कार्यप्रणाली से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने कार्यालय का भ्रमण कर संगठन के कार्यों को समझा। तुलसी नगर स्थित नगर निगम ग्रीन भवन का भ्रमण कर प्रस्तुतिकरण देखा। सुभाष नगर से रानी कमलापति तक मेट्रो ट्रेन का भ्रमण कर कार्यप्रणाली को समझा। स्मार्ट सिटी कमांड सेंटर का निरीक्षण, ट्रेचिंग ग्राउंड भानपुर खंती का भ्रमण भी इस दल द्वारा किया गया। इन जनप्रतिनिधियों ने ग्वालियर में फूलबाग स्थित लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इसके बाद 13 सदस्यी प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर से मुलाकात कर संवाद किया। बाद में मुरार स्थित आदर्श गौशाला का भ्रमण कर जलालपुर स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट देखा और मानपुर पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों का अवलोकन किया। उन्होंने भाजपा जिला कार्यालय मुखर्जी भवन का भ्रमण कर पार्टी पदाधिकारियों से संवाद किया। इसके बाद किला पहुंचकर लाइट एंड साउंड शो में शामिल हुए।

केरल निकायों में मिली सफलता से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह

डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास में केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश की सेवा में जुटे हुए हैं। केरल के निकायों में भाजपा व एनडीए के कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में विजय यह स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि प्रधानमंत्री के प्रति केरल की जनता का अटूट विश्वास है। केरल निकायों में मिली सफलता से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह, नया संकल्प और आगे बढ़ने का विश्वास और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली, योजनाओं की जानकारी, जनहित से जुड़े कार्यों और संगठन को जमीनी स्तर पर कैसे जनता की सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाया जाता है जैसे विषयों पर संवाद किया गया। इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, भोपाल नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

ठाकरे और राजगोपाल का अनुशरण करें कार्यकर्ता : तोमर

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने ग्वालियर में केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा का बहुत लंबा इतिहास है। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के पितृ पुरूष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे और ओ राजगोपाल के विचारों व कार्यों से सीखना चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए बताया कि भाजपा कैसे संगठनात्मक कार्यों को करती है। एक कार्यकर्ता को कैसा जीवन व्यतीत करना चाहिए, कैसे राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश और समाज के लिए कार्य करना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि संवाद के दौरान मैंने जनप्रतिनिधियों को ग्वालियर नगर निगम, प्रशासनिक अनुभव, भाजपा संगठन, भाजपा सरकार के कार्यों एवं मध्यप्रदेश की समृद्धशाली, गौरवशाली ऐतिहासिक पृष्टिभूमि के संबंध में भी जानकारी दी है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल भी मौजूद थे।

वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल मुंबई में वाग्धारा नवरत्न सम्मान से अलंकृत

मुंबई, देशबन्धु। मप्र के वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल को आज यहाँ पत्रकारिता में अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रतिष्ठित वाग्धारा नवरत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के मुख्य आतिथ्य और और प्रदेश के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित एक गरिमामयी समारोह मे ये सम्मान दिया गया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री कोश्यारी ने विकास के साथ विरासत पर ज़ोर देते हुए कहा कि बिना भारतीय आध्यात्म और दर्शन का अध्ययन किए एआई अधूरी है.वाग्धारा के अध्यक्ष डॉ वागीश सारस्वत ने अतिथियों का स्वागत किया और फ़िल्म जगत के युवा कलाकार रवि यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। हिन्दुस्तानी प्रचार सभा के सभागार में आयोजित इस समारोह में देश के वरिष्ठ पत्रकार विश्वनाथ सचदेव को वर्ष 2025 का वाग्धारा जीवन गौरव सम्मान% तथा जाने माने लेखक व निर्देशक रूमी जाफ़री को %वाग्धारा जूरी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।कालनिर्णय के जयराज सालगांवकर को भाषा सेतु, डॉ.संजय दुधाट को स्वास्थ्य व चिकित्सा, डॉ.अर्चना शर्मा (रायपुर) को विज्ञान व आधुनिक तंत्र, डॉ.कृष्णकुमार मिश्र को शिक्षा, विजय पंडित को रंगमंच, अरविंद बब्बल को सिनेमा और टेलीविजन, जयंतीमाला मिश्रा को नृत्य, नाशिक के शंकर कनौजिया एवं दतिया के आलोक सोनी को समाजसेवा के लिए वाग्धारा नवरत्न सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में अचल परिवार की ओर से श्रीमती पुष्पा शर्मा, सुधांशु शर्मा, नीतू शर्मा और आरव शर्मा भी उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रेमी-प्रेमिका के शव कार: वहीं मयूर विहार थाने में लड़के परिजनों से गुमशुदगी दर्ज कराई। दोनों के शव थाना सेक्टर-39 के सेक्टर-107 में मिली। युवक के चचेरे भाई सचिन ने कहा कि सुमित ने रेखा के लिए 1 करोड़ का फ्लैट खरीदा था। साथ ही कई महंगे और ब्रांडेड गिफ्ट भी दिए थे। सुमित के पिता राजीव दिल्ली एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) में हेल्थ इंस्पेक्टर की नौकरी करते हैं। रेखा और सुमित की स्कूलिंग साथ हुई थी। रेखा का सुमित के घर आना-जाना था। चचेरे बड़े भाई सचिन का कहना है कि सुमित क्रिकेट के साथ पानी का प्लांट भी चलाता था। दोनों जल्द शादी करने वाले थे। लड़की के घरवालों ने उसे सुमित के खिलाफ भड़का दिया था। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। सचिन ने बताया कि सुमित ने कल दोपहर 3:39 बजे लड़की के मोबाइल पर मैसेज भेजा था, जिसमें लिखा कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। इसके बाद वह कार लेकर घर से निकल गया। रात तक वापस नहीं आया। घरवालों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। आज दोपहर खबर मिली कि उसका शव मिला है। वहीं, पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा। कार को कब्जे में ले लिया गया है। फोरेंसिक टीम ने भी सबूत जुटाए हैं। थाने में युवक के घरवाले पहुंचे। उनसे पूछताछ की गई।

मतदाता सूची संशोधन के नाम पर: फरवरी की शाम से लापता था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उसी शाम उसे एक फोन कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को एआरओ बताते हुए एसआईआर से संबंधित कार्य के लिए आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र की फोटोकॉपी के साथ स्थानीय बीएलओ से तत्काल मिलने को कहा था। घर से निकलने के बाद जब नासिर वापस नहीं लौटा और उसका मोबाइल फोन बंद मिला, तो परिवार ने बदुरिया थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

अगले दिन चात्रा इलाके में एक नहर के पास नासिर की मोटरसाइकिल और जूते लावारिस हालत में मिले, जिससे संदेह गहराया। जांच तेज होने पर पुलिस ने रिजवान मंडल और सागर गाइन को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को बसीरहाट उप-विभागीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान बदुरिया और आसपास के इलाकों में पुलों के नीचे तथा नहरों के किनारे तलाशी अभियान चलाया गया। इसी दौरान नासिर के शरीर के टुकड़े तीन अलग-अलग बैग में पैक कर नहर में फेंके हुए बरामद किये गये। हत्या का सटीक मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक की पत्नी ब्यूटी खातून बीबी ने कहा कि उनके पति का किसी से कोई विवाद नहीं था। उन्होंने कहा, 'रिजवान हमारे परिचित थे और मेरे पति के दोस्त माने जाते थे। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा होगा। जो भी जिम्मेदार हैं, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने, लापता अंगों की तलाश करने और यह जांचने के लिए कि क्या इस अपराध में अन्य लोग भी शामिल थे, जांच जारी है।

जबलपुर के 5 श्रद्धालुओं की: पुलिस के अनुसार सभी शवों को चाकसू उपजिला अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार हादसे में जान गंवाने वाले पांचों लोग कटंगी रोड व मदर टेरेसा क्षेत्र के रहने वाले थे। आपस में परिचित होने के कारण धार्मिक यात्रा पर निकले थे। पीयूष राय, राहुल रजक, और अनुराग मदर टेरेसा के निवासी थी। जबकि रेश्मा श्रीवास्तव कटंगी रोड स्थित नक्षत्र नगर में निवास करती थी। परिजनों ने बताया कि अनुराग पीयूष अविवाहित था। वहीं अनुराग की शादी एक वर्ष पूर्व हुई थी। सभी ने उज्जैन महाकाल दर्शन करने का प्लान बनाया था। उज्जैन में दर्शन के बाद सभी खाटू श्याम दर्शन के लिये निकले थे और हादसे का शिकार हो गये। वहीं बताया जा रहा है कि मृतकों में शानू, रेश्मा श्रीवास्तव के भाई का बेटा है। जो सदर क्षेत्र में रहता था। वह भी इस यात्रा में शामिल था। हादसे में वह भी काल के गाल में समा गया। कटंगी रोड नक्षत्र नगर, करमेता और सदर क्षेत्र में घटना की खबर मिलते ही शोक की लहर है। मृतकों के परिजन घटना स्थल चाकसू क्षेत्र के लिये रवाना हो चुके हैं, और मृतकों के शवों को जबलपुर लाने के लिये प्रयासरत हैं। सारी कार्यवाहियों के बाद सभी शव उनके परिजनों को सौंप दिये जाऐंगे।

केन्द्रीय केबिनेट : एक लाख करोड़ के शहरी: निर्माण की ओर भारत के शहरी विकास दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। कैबिनेट ने कहा कि यह कोष वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक परिचालन में रहेगा, जिसकी कार्यान्वयन अवधि वित्त वर्ष 2033-34 तक बढ़ाई जा सकती है। यह बजट 2025-26 में घोषित सरकार के उस दृष्टिकोण को साकार करती है जिसके तहत शहरों को विकास केंद्र, शहरों के रचनात्मक पुनर्विकास और जल एवं स्वच्छता से संबंधित प्रस्तावों को लागू किया जाना है। इस कोष के अंतर्गत परियोजनाओं का चयन परिवर्तनकारी प्रभाव, स्थिरता और सुधार उन्मुखीकरण सहित चुनौतियों पर आधारित रूपरेखा के माध्यम से किया जाएगा।

कोष का आवंटन सुधारों, लक्ष्यों और स्पष्ट रूप से परिभाषित परिणामों से जुड़ा होगा। सुधारों की निरंतरता आगे कोष जारी करने के लिए एक पूर्व शर्त होगी। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के एकल डिजिटल पोर्टल के माध्यम से परियोजनाओं और सुधारों की कागजरहित निगरानी को सुगम बनाया जाएगा।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।